RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 डाक पंजीयन संख्या: RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -89 | मूल्य: 2.00 रू. | अलवर, बुधवार 11 जून, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

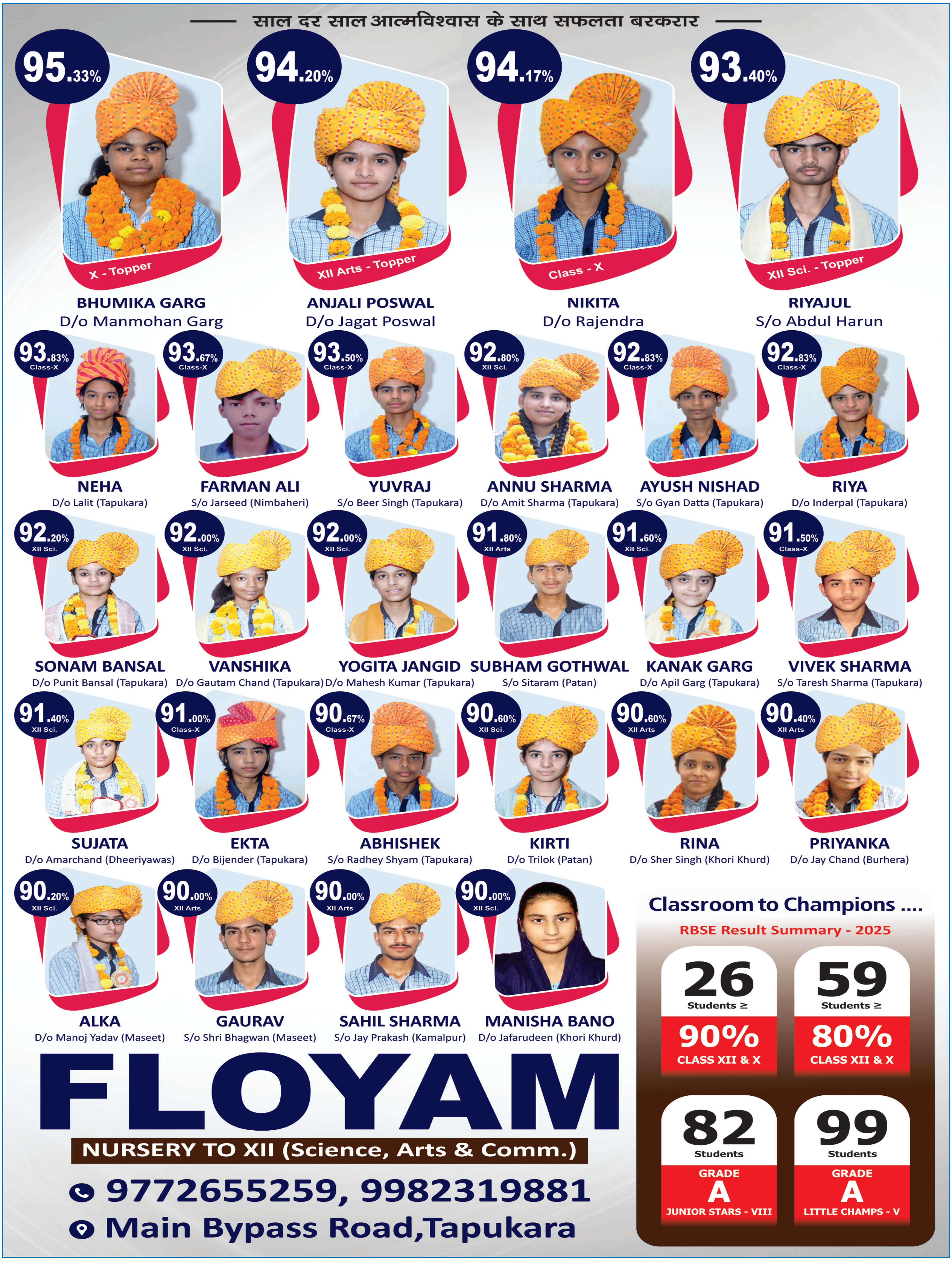

मापदंड में फेल, इसलिए ज्यादातर कॉलेज-विवि नहीं कराते नैक इंस्पेक्शन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के सरकारी और निजी कॉलेज और विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) के मापदंडों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। इस कारण जिले में करीब 202 कॉलेज और विश्वविद्यालयों में से सिर्फ चार ने नैक इंस्पेक्शन के लिए आवेदन किया है। इन चार कॉलेजों में राजर्षि कॉलेज, जीडी कॉलेज, कला कॉलेज और राजगढ़ कॉलेज शामिल हैं। यहां तक कि जिले का एकमात्र सरकारी विश्वविद्यालय, राजर्षि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय भी अब तक नैक टीम के दौरे से अछूता रहा है। नैक निरीक्षण के माध्यम से कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की शिक्षा की गुणवत्ता की जांच की जाती है। निरीक्षण के बाद नैक टीम संस्थान की ग्रेडिंग करती है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वहां पढ़ाई का स्तर किस स्तर का है। इस प्रक्रिया में पाठ्यक्रम, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, शोध और विस्तार, बुनियादी ढांचा, छात्र सहायता और प्रबंधन जैसे पहलुओं का गहन मूल्यांकन होता है। जिले में कई कॉलेज और विश्वविद्यालय बुनियादी ढांचे से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। इनके पास केवल इमारतें और प्रयोगशालाएं ही हैं, जबकि नैक मान्यता के लिए यूजीसी के मानकों का पालन अनिवार्य है। यही वजह है कि ये कॉलेज और विश्वविद्यालय नैक निरीक्षण से बचते आ रहे हैं। नैक मान्यता से कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को कई लाभ मिलते हैं। इससे संस्थानों को सरकारी योजनाओं और फंडिंग का लाभ मिलता है। साथ ही संस्थानों की अंतरराष्ट्रीय मान्यता भी बढ़ती है, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अवसर मिलते हैं। नैक मान्यता मिलने से न केवल संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ती है, बल्कि छात्रों और अभिभावकों का भरोसा भी मजबूत होता है। अलवर जिले के कॉलेजों की स्थिति पर नजर डालें तो जिले में 69 बीएड कॉलेज, 19 इंटीग्रेटेड कॉलेज, 114 डिग्री कॉलेज, एक सरकारी विश्वविद्यालय और दो निजी विश्वविद्यालय हैं। इन सबके बावजूद जिले के अधिकतर कॉलेज और विश्वविद्यालय नैक मापदंडों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा है और इन संस्थानों की साख भी दांव पर लगी हुई है। जिला शिक्षा अधिकारियों का कहना है कि कॉलेजों को नैक मान्यता के लिए प्रेरित किया जाएगा। फिलहाल, अलवर जिले में केवल चंद कॉलेज ही इस दिशा में आगे बढ़े हैं, लेकिन शेष कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार की जरूरत साफ नजर आती है।

आदर्श सीएचसी में सुविधाओं का अभाव, महिलाओं को नहीं मिल रही विशेषज्ञ डॉक्टर की सेवाएं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

कस्बे की आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) इस समय संसाधनों की कमी से जूझ रही है। चार महीने पहले स्थानीय विधायक देवीसिंह शेखावत के प्रयास से स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक शर्मा की तैनाती हुई थी, ताकि गर्भवती महिलाओं और अन्य स्त्री रोगों से जूझ रही महिलाओं को स्थानीय स्तर पर इलाज मिल सके। लेकिन अस्पताल में बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण डॉ. शर्मा की मौजूदगी के बावजूद महिलाओं को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। अस्पताल में ना तो सोनोग्राफी की सुविधा है, ना ही ऑपरेशन थिएटर। एसबीए स्टाफ की भारी कमी है और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉक्टर की भी नियुक्ति नहीं हुई है। ऐसे में डॉ. दीपक शर्मा मरीजों को केवल सामान्य सलाह और दवाइयां दे पा रहे हैं। जटिल मामलों में उन्हें मरीजों को विराटनगर, बानसूर या कोटपुतली जैसे 20 से 30 किलोमीटर दूर के अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। इससे गर्भवती महिलाओं और गंभीर स्त्री रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए इलाज एक चुनौती बन गया है। न केवल इलाज में देरी हो रही है, बल्कि सफर का खर्च और थकान भी उनके लिए भारी पड़ रही है। ग्रामीणों ने इस स्थिति पर नाराजगी जताई है। गांव की महिलाओं का कहना है कि जब डॉक्टर यहां मौजूद हैं, तो जरूरी उपकरणों और स्टाफ की कमी के चलते इलाज न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। "दूर शहरों में जाने के लिए हमारे पास न साधन हैं और न ही पैसे," एक महिला ने कहा। "यहां के अस्पताल को आदर्श सीएचसी का दर्जा तो दिया गया है, लेकिन सुविधाएं कहीं नज़र नहीं आतीं।" इधर विधायक देवीसिंह शेखावत ने बताया कि नारायणपुर सीएचसी को हाल ही में 50 बेड में क्रमोन्नत किया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बहुत जल्द ही अस्पताल में जरूरी चिकित्सा स्टाफ और संसाधन मुहैया कराए जाएंगे, जिससे महिलाओं को बेहतर इलाज की सुविधा मिल सके। ग्रामीणों की मांग है कि सरकार इस समस्या को जल्द हल करे, ताकि आदर्श सीएचसी वास्तव में आदर्श बन सके।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर बाबा उदयनाथ धाम सहित धार्मिक स्थलों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

कस्बे सहित समूचे इलाके में मंगलवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा का पर्व परंपरागत आस्था और श्रद्धा से मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के बाबा उदयनाथ धाम, भर्तृहरि, पांडुपोल, नारायणी माता, पाराशर धाम समेत अनेक पवित्र धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं ने स्नान, दान और पूजा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। हजारों की संख्या में महिलाओं ने पवित्र कुंडों में गंगा स्नान कर भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, शिव-पार्वती समेत देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना के साथ साधु-संतों का आशीर्वाद लिया। टोड़ी जोधावास में पहाड़ी की तलहटी पर स्थित बाबा उदयनाथ धाम पर भक्तिमय माहौल नजर आया। महिलाएं मंगल गीत गाते हुए यहां पहुंचीं और पवित्र कुंड में स्नान कर सूर्य को जल अर्पित किया। मंत्रोच्चार और भजनों के बीच श्रद्धालुओं ने गंगा माता की विधिपूर्वक पूजा की। इसके बाद प्रसादी ग्रहण कर उन्होंने अपने और समाज के कल्याण की कामना की। महिलाओं ने बताया कि ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा का विशेष महत्व है। इस दिन गंगा स्नान और दान करने से सभी पाप नष्ट होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन व्रत, दान और स्नान से पितरों का आशीर्वाद भी मिलता है। बाबा फूलनाथ महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन पवित्र गंगा में स्नान करने से व्यक्ति के समस्त पाप धुल जाते हैं और उसकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दिन भगवान शंकर और विष्णु की विशेष रूप से पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि आस्था और श्रद्धा के इस पर्व में शामिल होकर भक्तजन अपने जीवन को पुण्य और सद्गति प्रदान करते हैं। बाबा उदयनाथ धाम पर इस दौरान कस्बे थानागाजी, टोड़ी, जोधावास, किशोरी, भीकमपुरा समेत आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु पहुंचे। सभी ने मिलकर भक्ति भाव से पर्व को मनाया और पवित्र जल में डुबकी लगाकर धर्म लाभ लिया। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद बाबा उदयनाथ धाम पर पूजा कर बाबा फूलनाथ महाराज से आशीर्वाद लिया। पूरे परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन गूंजते रहे और भक्तजनों के चेहरों पर आस्था और श्रद्धा की आभा झलकती रही।

निदानी बांध सहित प्रस्तावित नए बांध क्षेत्रों का निरीक्षण, जल संरक्षण कार्यों में आमजन की भागीदारी का आह्वान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने मंगलवार को निदानी बांध, प्रस्तावित नए बांध क्षेत्रों, प्रतापबंध के आसपास क्षेत्र, जरखवाला नाला और भूरासिद्ध क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि तीनों प्रस्तावित बांधों के निर्माण कार्यों की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर आगे बढ़ाया जाए। इसके लिए वन विभाग जल्द ही अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करेगा। उन्होंने अधिकारियों को तकनीकी प्रस्ताव तैयार करने और निविदा प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री ने कहा कि तीन नए बांधों के निर्माण से अलवर के एक दर्जन से अधिक वार्डों में भूजल स्तर में वृद्धि होगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा और पशु-पक्षियों को भी पेयजल उपलब्ध होगा। राज्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियन्ता को प्रतापबंध की डी-शिल्टिंग का प्रस्ताव बनाकर शीघ्र स्वीकृति प्राप्त करने और काम पूरा करने के निर्देश दिए। निदानी बांध का निरीक्षण करते हुए उन्होंने उप वन संरक्षक को बांध की पाल को मजबूत करने के साथ डी-शिल्टिंग और प्रवाह क्षेत्र की साफ-सफाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आडापाडा हनुमान मंदिर के पास बन रही घास नर्सरी का भी अवलोकन किया और वन विभाग सरिस्का द्वारा किए जा रहे नवाचार की सराहना की। उप वन संरक्षक अभिमन्यु सहारण ने बताया कि इस नर्सरी में तैयार की गई घास को वन क्षेत्र में लगाया जाएगा। नर्सरी की सफलता के बाद अन्य क्षेत्रों में भी इस तरह की घास नर्सरी विकसित की जाएंगी। संजय शर्मा ने 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का हवाला देते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा 20 जून तक जल संरचनाओं के निर्माण और जीर्णोद्धार के लिए जिले भर में गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे जल एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में सामूहिक भागीदारी निभाकर अपनी भूमिका निभाएं। निरीक्षण के दौरान डीएफओ सरिस्का अभिमन्यु सहारण, नगर निगम के पूर्व महापौर घनश्याम गुर्जर, नगर निगम के अधिशाषी अभियन्ता खेमराज मीणा, सहायक अभियन्ता मुकेश तिवारी, सतीश यादव, पर्यावरणविद् राजेश कृष्ण सिद्ध, विजय गौड और सागर यादव भी उपस्थित रहे।

RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -89 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, बुधवार 11 जून, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

जयपुर से पिकनिक मनाने गए 8-दोस्तों की डूबने से मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टोंक

जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। बनास नदी में नहाने गए 10 युवकों में से 8 की दर्दनाक मौत हो गई है। हादसे की पुष्टि सआदत अस्पताल प्रशासन ने कर दी है। बताया जा रहा है कि सभी युवक पिकनिक मनाने के लिए पहुंचे थे और इसी दौरान यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। अस्पताल में भारी भीड़ जमा हो गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रिजेंद्र सिंह भाटी भी मौजूद हैं। प्रशासन ने राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

एक-एक कर डूबने लगे युवक

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सभी युवक एक साथ नदी में उतरे थे। नहाते वक्त गहराई का अंदाजा नहीं लग पाया और सभी एक-एक कर डूबने लगे। कुछ युवकों को स्थानीय लोगों ने किसी तरह बचा लिया, लेकिन 8 को नहीं बचाया जा सका। सिविल डिफेंस और आपदा प्रबंधन की टीमें भी मौके पर पहुंच चुकी हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। प्रशासन ने नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।

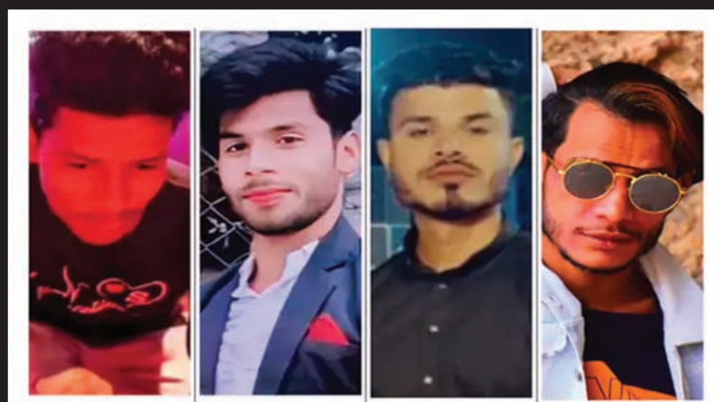

साजिद | नवाब | रिजवान | कासिम

कशब खान | नौशाद | आजाद | फरहान

सभी युवक टोंक जिले के

हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल है। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है। सभी युवक टोंक जिले के अलग-अलग इलाकों से पिकनिक मनाने आए थे। फिलहाल कुछ युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद पूरे गांव में माहौल गंभीर हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

जयपुर से पिकनिक के लिए आए थे युवक

पुलिस के मुताबिक जयपुर से 11 युवक पिकनिक के लिए टोंक आए थे. बनास नदी की पुरानी पुलिया के पास सभी ने पानी में उतरकर नहाना शुरू किया. नहाते वक्त एक युवक डूबने लगा, उसे बचाने के प्रयास में एक-एक कर सभी डूबते चले गए. किसी तरह स्थानीय लोगों ने तीन को बचाया, लेकिन 8 की जान नहीं बचाई जा सकी. सआदत अस्पताल, टोंक में भारी भीड़ जमा हो गई है.

मौके पर पहुंचा प्रशासन

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं. जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र सिंह और एसडीएम व अन्य अधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं. स्थानीय प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं. राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर दु:ख जताया है. उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, '' टोंक जिले में स्थित बनास नदी में युवकों की डूबने से हुई मृत्यु का समाचार अत्यंत दु:खद और पीड़ादायक है. घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को त्वरित रूप से रेस्क्यू एवं राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं. ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दु:ख सहने की शक्ति दें.

राजस्थान कांग्रेस के लिए अहम आज का दिन !

राजस्थान कांग्रेस में आज होगा नई सियासत का उदय!

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान कांग्रेस की राजनीति में कल यानी 11 जून एक अहम सियासी घटनाक्रम का साक्षी बनने जा रहा है. कल पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि है. सचिन पायलट के निमंत्रण पर दौसा आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शिरकत करने जाएंगे. अशोक गहलोत की टीम ने उनके जाने के कार्यक्रम की पुष्टि की है. ऐसे में कहा जा सकता है कि कल के दिन की सियासी तस्वीर दोनों खेमों के बीच सियासी सीजफायर की प्रतीक बन सकती है. दरअसल तीन दिन पहले सचिन पायलट खुद अशोक गहलोत के जयपुर स्थित आवास पहुंचे और उन्हें दौसा आने का आमंत्रण दिया. गहलोत ने पायलट का स्वागत भी किया और सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए राजेश पायलट के साथ अपने पुराने संबंधों को याद किया था. उन्होंने लिखा कि "1980 में हम दोनों साथ में लोकसभा पहुंचे थे. उनका जाना पार्टी के लिए बहुत बड़ी क्षति थी." श्रद्धांजलि सभा को लेकर इस बार पायलट गुट पिछले 15 दिनों से एक्शन मोड में है. कांग्रेस के तमाम विधायकों, जिलाध्यक्षों और दिल्ली से लेकर यूपी तक के नेताओं को न्योता दिया गया है. कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, कई सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री, दिल्ली और यूपी से जुड़े नेता इस सभा में शामिल हो सकते हैं. असल में गहलोत और पायलट के बीच वर्षों से चल रही सियासी तनातनी किसी से छिपी नहीं है. ऐसे में गहलोत का दौसा जाना सिर्फ एक श्रद्धांजलि नहीं बल्कि दोनों खेमों के बीच जमी सियासी बर्फ पिघलने का भी संकेत है. अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि गहलोत के दौसा पहुंचने पर वहां मौजूद पायलट समर्थक किस तरह का रिस्पॉन्स देते हैं और गहलोत पायलट के बीच सियासी अदावत से सियासी सीजफायर का सियासी भविष्य कितना लंबा चलेगा.

एसीबी का बड़ा एक्शन, झुंझुनू में 30 हज़ार की रिश्वत लेते AAO और AEN रंगे हाथों गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा झुंझुनू

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) झुंझुनूं ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए दो अधिकारियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. पकड़े गए अधिकारियों में नरेन्द्र सिंह, सहायक प्रशासनिक अधिकारी और आजाद सिंह, सहायक अभियंता शामिल हैं. यह कार्रवाई एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर की गई थी. एसीबी ने नरेन्द्र सिंह को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है, जबकि आजाद सिंह द्वारा रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर उन्हें भी हिरासत में ले लिया गया है. एसीबी महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी झुंझुनूं चौकी को शिकायत मिली थी कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत काम कर रहे परिवादी से दोनों अधिकारी उसकी फाइलों को मंजूरी देने के बदले 40,000 रुपये रिश्वत की मांग कर रहे हैं. परिवादी को लगातार परेशान किया जा रहा था. शिकायत का सत्यापन करने के दौरान यह सामने आया कि दोनों अधिकारी 30,000 रुपये की रिश्वत पर तैयार हो गए थे. मंगलवार को योजना के तहत एसीबी टीम ने जाल बिछाया और नरेन्द्र सिंह को 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया. साथ ही आजाद सिंह द्वारा रिश्वत मांगने और राशि नरेन्द्र सिंह को देने के निर्देश देने की पुष्टि के बाद उन्हें भी हिरासत में ले लिया गया. यह कार्रवाई एसीबी जयपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक राहुल कोटोकी के सुपरवीजन में और एसीबी झुंझुनूं के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इस्माईल खान के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक सुरेशचंद और उनकी टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दी. फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है.

राजस्थान को विकसित प्रदेश बनाने के लिए संकल्पित राज्य सरकारः भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप विकसित भारत-विकसित राजस्थान का संकल्प तेजी से सिद्धि की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोक कल्याण को एकमात्र ध्येय मानकर ऐसी योजनाएं क्रियान्वित कर रही है जिससे प्रदेश के शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी, आधारभूत संरचनाओं जैसे बुनियादी क्षेत्रों की दिशा और दशा निरंतर बदल रही है और एक सशक्त-समृद्ध राजस्थान का भविष्य सुनिश्चित हो रहा है। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विजन डॉक्यूमेंट को लेकर बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति में कार्ययोजना और उसकी क्रियान्विति की सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। निर्धारित लक्ष्यों को समय पर हासिल करके ही इच्छित परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये विजन डॉक्यूमेंट एक कागज नहीं, बल्कि राजस्थान के विकास का मार्ग है जिसे हम धरातल पर चरणबद्ध रूप से उतारेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 के दीर्घकालीन लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मध्यावधि लक्ष्य तय कर उन पर फोकस किया जाए। विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में 8 करोड़ प्रदेशवासियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, अतः विजन डॉक्यूमेंट में आमजन के सुझाव भी शामिल किए जाएं।

दुर्घटनाओं में कमी के लिए वाहनों की गति पर लगे अंकुश

शहरी क्षेत्रों की आवास समस्या दूर करने के लिए मल्टीस्टोरी कंसेप्ट को अपनाना आवश्यक है। जनता का आवागमन सुगम करने की दृष्टि से प्रदूषण मुक्त सार्वजनिक परिवहन सेवाएं विकसित की जाएं। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से वाहनों की गति पर अंकुश लगाने के साथ ही यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए।

महिलाओं-बच्चों के पोषण पर दिया जाए विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री ने गांव-ढाणी से लेकर कस्बों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया जाए और डायबिटीज व ब्लड प्रेशर जैसी जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों के बारे में स्कूली शिक्षा के माध्यम से जागरूक किया जाए। शर्मा ने आभा आईडी के माध्यम से प्रदेशवासियों का हेल्थ रेकार्ड मेंटेन करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ ही महिलाओं एवं बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया।

पानी का दुरूपयोग रोकें, जरूरतमंद तक पहुंचे जल

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 से 20 जून तक संचालित 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, जलाशयों का पुनरुद्धार, बांध, एनीकट, नहरों की मरम्मत, वर्षा-जल संचयन संरचनाओं और पर्यावरण संवर्धन से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। इस अभियान से जल संग्रहण में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत राज्य में 40 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया किया जा रहा है जिससे भूजल स्तर बढ़ेगा। उन्होंने मरूस्थलीय पौधों के विकास व पानी के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत-2047' का विजन पेश किया है। इसके चार प्रमुख संकल्पों के परिपेक्ष्य में विकसित राजस्थान-2047 हेतु विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने, उसकी प्रगति एवं निगरानी हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया गया है। विकसित राजस्थान-2047 का रोडमैप तैयार करते हुए राज्य के प्रमुख 45 विभागों को 13 सेक्टर्स में बांटा गया है। सभी विभागों के समन्वय से तैयार विजन डॉक्यूमेंट पर नीति आयोग से सुझाव प्राप्त करने के बाद प्रदेश के विकास का यह दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, राज्य स्टीयरिंग कमेटी में शामिल विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्रामीण विकास से ही विकसित भारत का संकल्प होगा साकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास प्रदेश ही नहीं, देश के विकास की धुरी है। गांवों की तरक्की के बिना विकसित भारत का संकल्प साकार नहीं हो सकता, इसलिए हमें ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से उनकी आय के स्रोत बढ़ाने वाले संसाधन उपलब्ध कराने पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही लघु, कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन, गांवों में सोलर प्लांट, फल-सब्जी मंडी, दूध संकलन केन्द्र आदि की स्थापना से पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण आधारभूत ढांचे को मजबूत कर महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर तथा युवाओं का कौशल विकास कर हम ग्रामीण आबादी का शहरों की ओर पलायन रोक सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को किसानों की आय में सुधार और उनकी फसल की उत्पादकता में वृद्धि लाते हुए प्रदेश में सहकार आधारित अर्थव्यवस्था के लिए ठोस कदम उठाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण एवं सुनियोजित दोहन कर विकास कार्य किए जाएं ताकि भावी पीढ़ी को संसाधनों की कमी न हो। शर्मा ने कहा कि वंचितों को वरीयता देते हुए राजस्थान को वर्ष 2047 तक समावेशी रूप से विकसित राज्य बनाना है। प्रदेश में ऐसी प्रणाली विकसित की जाए जिससे सामाजिक योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित नहीं रहे। उन्होंने सभी को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा को कौशलपरक एवं रोजगारोन्मुखी भी बनाया जाए। साथ ही, विद्यार्थियों को समय-समय पर कैरियर परामर्श देकर उन्हें तनावमुक्त बनाया जाए।

राजस्थान में 2 दिन भीषण गर्मी का रेड अलर्ट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी के कारण लोग बेहाल हैं. राज्य में गर्मी का आलम यह है कि मंगलवार को लगातार तीसरे दिन श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के ऊपर दर्ज किया गया है. मौसम विभाग ने आगामी दो-तीन दिन के लिए श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू में गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है. इस दौरान प्रदेश के कई जिलों में अधिकतम तापमान 47-48 डिग्री तक पहुंचने और हीटवेव का अनुमान है. जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, मंगलवार को श्रीगंगानगर 47.4 डिग्री, कोटा में 46.3 डिग्री, चूरू में 45.5 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 45.4, बीकानेर में 45.3 डिग्री सेल्सियस, अलवर और पिलानी में 44.6 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज हुआ है. श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में आगामी दो दिन भीषण गर्मी पड़ने वाली है, इसके लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया गया है. इन क्षेत्रों में 'सीवियर हीटवेव' की स्थिति रहने का अनुमान है और तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है. नागरिकों को इस दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है. वहीं, चूरू और बीकानेर जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है. इन जिलों में भी तीव्र गर्मी और लू का प्रकोप रहेगा, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. इसके अलावा प्रदेश के सात अन्य जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है.

चिंतन

जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को रिमॉडल करने की जरूरत

गरीबी कम करने के साथ भारत ने जनसंख्या को नियंत्रित करने में भी शानदार प्रगति की है। भारत में प्रजनन दर में काफी कमी आई है। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी नई जनसांख्यिकी रिपोर्ट में कहा है कि चालू वर्ष के अंत तक भारत की जनसंख्या 1.46 अरब पहुंचने का अनुमान है, जो दुनिया में सर्वाधिक होगी। अभी सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश चीन है और भारत दूसरे नंबर पर है। दोनों मुल्कों की जनसंख्या में मामूली अंतर है। कुछ समय पहले ऐसी खबर भी थी कि भारत चीन को पछाड़ कर सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है, हालांकि इसकी केंद्र सरकार ने पुष्टि नहीं की थी। 'वास्तविक प्रजनन संकट' शीर्षक वाली यूएनएफपीए की 'विश्व जनसंख्या स्थिति (एसओडब्लूपी) रिपोर्ट 2025' घटती प्रजनन क्षमता से घबराने के बजाय अपूर्ण प्रजनन लक्ष्यों पर ध्यान देने का आह्वान करती है। इसमें कहा गया है कि लाखों लोग अपने वास्तविक प्रजनन लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि भारत की कुल प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से नीचे आ गई है। जनसंख्या में पीढ़ीगत वृद्धि के लिहाज से प्रतिस्थापन दर से प्रजनन दर का कम होना सुखद भी है व चिंताजनक स्थिति भी है। रिपोर्ट में पाया गया है कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर प्रति महिला 1.9 जन्म रह गई है, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे है। इसका अर्थ यह है कि औसतन भारतीय महिलाएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक (प्रतिस्थापन दर) जनसंख्या का आकार बनाए रखने के लिए आवश्यक संख्या से कम बच्चे पैदा कर रही हैं। प्रजनन दर में कमी आने से सरकार को जनसंख्या नियंत्रण में मदद मिलती है, लेकिन पीढ़ीगत आबादी की दर को भी बनाए रखने की जरूरत है और यह जरूरत प्रजनन क्षमता सुधरने से पूरी होगी। रिपोर्ट में जनसंख्या संरचना, प्रजनन क्षमता और जीवन प्रत्याशा में महत्वपूर्ण बदलावों का भी खुलासा किया गया है, जो एक बड़े जनसांख्यिकीय परिवर्तन का संकेत है। जन्म दर में कमी के बावजूद, भारत की युवा जनसंख्या अब भी महत्वपूर्ण बनी हुई है, जिसमें 0-14 आयु वर्ग में 24 प्रतिशत, 10-19 आयु वर्ग में 17 प्रतिशत तथा 10-24 आयु वर्ग में 26 प्रतिशत युवा हैं। देश की 68 प्रतिशत जनसंख्या कामकाजी आयु (15-64) वाली है, जो पर्याप्त रोजगार और नीतिगत समर्थन के साथ संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश प्रदान करती है। रिपोर्ट में भारत को मध्यम आय वाले देशों के समूह में रखा गया है, जो तेजी से जनसांख्यिकीय परिवर्तन से गुजर रहे हैं, जहां जनसंख्या दोगुनी होने में अब 79 वर्ष का समय लगने का अनुमान है। भारत ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए करीब पांच दशक से लगातार कार्यक्रम का संचालन किया है, इसमें जागरूकता से लेकर बेहतर स्वास्थ्य तक के कार्यक्रम शामिल हैं, लेकिन जन्म दर प्रतिस्थापन दर के करीब रहे तो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की जनसंख्या का आकार बनाए रखना सरल होता है। इस असंतुलन को ठीक करने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के आंकड़े का इस्तेमाल सरकार को अपनी जनसांख्यिकीय स्थिति में सुधार के लिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को रिमॉडल करने में करना चाहिए। भारत सर्वाधिक युवा आबादी वाला देश है तो यह स्तर सदा बने रहना चाहिए। चीन, जापान समेत अनेक पश्चिमी देश युवा आबादी स्तर बनाए रखने में सफल नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे में भारत बेहतर कर सकता है।

कबीर के सपनों का समाज बनाएं हम

जयंती

अखिलेश आर्येन्दु

संत कबीर सत्य के आराधक थे, इसलिए निष्पक्ष बयानी से कभी दूर नहीं हटे। पढ़े-लिखे न होने के बावजूद वे ईश्वरीय ज्ञान-विज्ञान, विचार, प्रकाश से भरे हुए थे। सद्गुणों के सहज स्वीकार्यकर्ता थे, इसलिए सद्गुणों का प्रसार उनकी जिंदगी का हिस्सा बना रहा। जहां भी, जो भी दोषपूर्ण, पाखंड और अंधविश्वास से युक्त देखा, उस पर बगैर डर के चोट की। संसार में उनका किसी से न बैर-विरोध हुआ और न किसी के दोस्त बने। वे उनके मित्र थे जो सच्चे और निष्कपट थे। वे उनके दुश्मन थे जो सत्य, प्रेम, अहिंसा और न्याय से बहुत दूर थे। कबीर आज भी समाज विज्ञानी के रूप में हमारे मध्य मौजूद हैं। जरूरत है कबीर को दुराग्रहों और आग्रहों से ऊपर उठकर देखने व समझने की।

संत कबीर गृहस्थ जीवन गुजारते हुए भी समाज, धर्म, अध्यात्म और लोकधर्म के शोधन के कार्य में लगे रहे। वे समाजशोधक, साधक और सत्य के आराधक थे। सारा जीवन सद्गुणों से परिपूर्ण था। ऐसे साधु थे जिनके रोम-रोम में ईश्वरीय प्रकाश भरा हुआ था। वे उन सभी लोगों के समालोचक थे जिनकी कथनी-करनी में एकरूपता नहीं थी। पाखंड, अंधविश्वास, दोषपूर्ण सामाजिक परंपराओं, छल, छद्म और फरेब करने वालों का निडर होकर खिलाफत करते थे। किसी भी स्तर पर वे समझौतावादी नहीं थे। इसलिए वर्ग, जाति, मजहब, पंथ और सम्प्रदाय में उनकी रुचि नहीं थी। उनका जन्म चाहे जैसी परिस्थितियों में हुआ हो, जीवन-यात्रा परोपकार, समाज सुधार और सत्य के अन्वेषण में गुजरा। संघर्ष, तप, तितीक्षा और मानव जीवन के आदर्श उनकी जिंदगी के अहम व सहज हिस्से थे। गृहस्थ होते हुए भी वैरागी, तपस्वी और त्यागी थे। मानवीय सद्गुणों से भरा उनका जीवन हर किसी के लिए प्रेरक था। जीवमात्र पर दया, करुणा, प्रेम, अहिंसा और स्नेह की वर्षा उनके जीवन के आदर्श थे।

वे सत्य के आराधक थे, इसलिए निष्पक्ष बयानी से कभी दूर नहीं हटे। पढ़े-लिखे न होने के बावजूद वे ईश्वरीय ज्ञान-विज्ञान, विचार, प्रकाश से भरे हुए थे। सद्गुणों के सहज स्वीकार्यकर्ता थे, इसलिए सद्गुणों का प्रसार उनकी जिंदगी का हिस्सा बना रहा। जहां भी, जो भी दोषपूर्ण, पाखंड और अंधविश्वास से युक्त देखा, उस पर बगैर डर के चोट की। संसार में उनका किसी से न कभी बैर-विरोध हुआ और न किसी के दोस्त बने। वे उनके मित्र थे जो सच्चे और निष्कपट थे। वे उनके दुश्मन थे जो सत्य, प्रेम, अहिंसा और न्याय से बहुत दूर थे। उनका धर्म मानवता का धर्म था जिसमें मौलिकता, नवीनता, नेह और न्याय शामिल थे। उन्होंने जो कुछ कहा सत्य, प्रेम, न्याय की स्थापना, जन मन सुधार और सर्वहित के नजरिए से कहा। इसलिए किसी से उनकी व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। वे व्यक्ति की धन-सम्पत्ति की जगह, मानव मूल्यों की अहमियत से व्यक्ति को तौलते थे। वे ऐसे मूल्यवादी विचारक, सुधारवादी कवि और क्रांतिकारी समाजविज्ञानी थे, जिनकी कविताएं आज भी व्यक्ति, परिवार, समाज और हर सम्प्रदाय को सोचने पर मजबूर किया करती हैं।

वे मन की आंखों से देखते थे और दिल की जुबान से कहते थे। हर व्यक्ति में मानव मूल्यों का आधान (पिरोकर) देखना चाहते थे। पश्चिमी जगत के प्रसिद्ध विद्वान एवलिन अंडरहिल ने कबीर को महान समाज सुधारक, कवि और पंथ संस्थापक के रूप में चित्रित किया है। इसी प्रकार फ्रांसीसी विचारक गार्सा द तासी ने कबीर को एक प्रखर समाज सुधारक और कवि के रूप में चित्रित किया है। हिंदी के महान नाटककार डॉ. राम कुमार वर्मा ने संत कबीर को एक क्रान्तिदर्शी महाकवि और महामानव के रूप में माना है।

राम साहित्य के मूर्धन्य विद्वान अध्येता, फादर कामिल बुल्के ने कबीर के कृतित्व की विवेचना करते हुए लिखा है- 'ज्ञान, विज्ञान, सभ्यता और संस्कृति के प्रति कबीर का दृष्टिकोण नकारात्मक था, लेकिन हिंदी के महान साहित्यकार डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कबीर को भक्तिकाल का शिरोमणि कवि ही नहीं महान जीवनधर्मी कर्मयोद्धा माना है। कबीर समाज से द्वैतभाव को हमेशा के

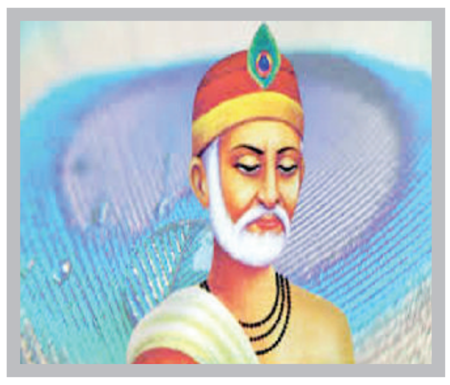

लिए मिटाना चाहते हैं। बिना द्वैत भाव मिटे न तो सांसारिक सच्चा सुख हासिल होता है और न आलौकिक सुख ही। इस पद में उनके द्वैतभाव मिटने का कितना मार्मिक चित्रण दिखाई पड़ता है-

हमन है इश्क मश्ताना हमन का होशियारी क्या।
रहें आजाद या जग से, हमन दुनिया से यारी क्या।

संत का स्वभाव हमेशा विनम्र, शांतिप्रिय और सव के प्रति स्नेह रखने वाला और सबको सुख देने वाला होता है। सज्जनता संत के स्वभाव का हिस्सा होता है। संत कबीर का स्वभाव इसी तरह का था। यही वजह है कि उनकी कविताएं मर्म को संवेदित करती हैं। संत कबीर पलायनवादी नहीं हैं। उन्होंने गृहस्थाश्रम को पूर्ण प्रतिष्ठा दी। उन्होंने समाज और परिवार दोनों की समस्याओं को दूर करने के लिए अपना सारा जीवन लगा दिया। परिवार में रहकर ईश्वर के प्रति श्रद्धा रख और भक्ति करके भी मुक्ति हासिल करने में वे यकीन करते थे। यहां तक कि अपना कार्य ईमानदारी से और एक घंटे ईश अराधना को भी पर्याप्त समझते थे। एक सच्चा संत अपने कार्यों से समाज को कितना सुखी और शांतिप्रिय बना सकता है, यह कबीर के जीवन में देखा जा सकता है। भक्तिकालीन संत कवियों में कबीर जैसा आदर्श और यथार्थवादी महामानव नहीं दिखाई देता है। इसी तरह धर्म और अध्यात्म संबंधी अंधविश्वासों, रूढ़ियों, पाखंडों और कुरीतियों को दूर करने में उनके जैसा क्रांतिकारी सामाजिक दूत दूसरा नहीं दिखता है। वे इंसानी सच्चे धर्म का पाठ पढ़ाने वाले सच्चे सद्गुरू हैं। धर्म के नाम पर किसी भी प्रकार का आडम्बर और कर्मकांड भी उन्हें स्वीकार्य नहीं था। सत्य, अहिंसा, प्रेम, न्याय, करुणा, दया, सहिष्णुता और सुचिता जैसे अनेक मूल्यों को जीवन में उतारना ही वह धर्म का पालन करना मानते थे। वह कहते हैं-

शीतलता सब जाणिये, समिता रहे समाइ।
पथ छाँड़ै निरपथ रहै, सबद न देख्या जाय।।

लोक और वेद दोनों की बात कबीर को मान्य है। भले ही वह वेद नहीं पढ़े थे लेकिन उन्हें वेद की बुराई बर्दाश्त नहीं थी। वे कहते हैं कि वेद बुरे नहीं हैं बल्कि जो वेद को बुरा कहते हैं वे बुरे हैं। कबीर मन से सच्चे थे। कर्म से सच्चे थे। वाणी से सच्चे थे। ऐसा व्यक्ति भला असत्य या पाखण्ड को कैसे बर्दाश्त कर सकता है। इसलिए उन्होंने समाज और धर्म से जुड़ी हर चीज को बहुत ही गहराई से समझा और जहां भी गदंगी देखी, उसे बगैर किसी हिचक के बता दिया। कहते हैं-बेहतर समाज बनाना चाहते हो तो पहले प्रेम-रूपी अमृत का प्याला का पान करो। सत्य का रास्ता पकड़ो और लोगों के दुख को बांटो। कबीर कहते हैं जीवन को माया के चक्करों में यूं ही बर्बाद कर दिया तो तुम्हारा जन्म लेना बेकार हो जाएगा। और एक दिन यमराज के दूत आएंगे और तुम्हें उठा ले जाएंगे। इसलिए समय रहते हुए यमराज-रूपी ठग से बचने के लिए सत्य के रास्ते से अपने कार्य करते जाओ, ईश्वर की कृपा सदैव हासिल होती जाएगी। यमराज से बचने का एक ही रास्ता है, वह है प्रभु की शरण में बिना देर किये चले जाओ।। उस अविनाशी परमब्रह्म की शरण में रहोगे तो यमराज वहां से तुम्हें नहीं उठा पाएंगे। क्योंकि यमराज भी उसी ईश्वर के आधीन हैं। आज भी कबीर के ये उपदेश उपयोगी, प्रासंगिक और सर्वहितकारी हैं। कबीर छह सौ वर्षों के बाद भी मानवता के मार्गदर्शक इसलिए बने हुए हैं कि उनके उपदेश, विचार और कार्य समाज को रोशन करने में कामयाब हैं। इसलिए आज भी वे भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में जहां भी हिंदी साहित्य और भाषा का प्रवाह है, कबीर वहां अपनी बेबाक सपाटबयानी के साथ मौजूद हैं। कबीर आज भी पूरी तरह प्रासंगिक और समाजविज्ञानी के रूप में हमारे मध्य मौजूद हैं। जरूरत है कि हम कबीर को दुराग्रहों और आग्रहों से ऊपर उठकर देखने व समझने की कोशिश करें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व पर्यावरण संरक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं। लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

जयंती विशेष

डा. वेदपाल सिंह

संत कबीर के विचार में सामाजिक क्रांति के सूत्र

भक्ति-कालीन महान संत, महाकवि, सामाजिक क्रान्ति के पुरोधा, दार्शनिक व युगद्रष्टा कबीर साहब के जन्म को लेकर हालांकि विद्वानों में पर्याप्त मतभेद हैं। कबीरदास के प्रधान शिष्य धर्मदास ने कबीर साहेब का जन्म वि. संवत 1455 को माना है, जबकि डॉ. श्यामसुन्दर दास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा पारशनाथ के अनुसार कबीर साहेब का जन्म वि. संवत 1456 ज्येष्ट शुक्ल पूर्णिमा को माना है। कांशी के पास स्थित लहरतारा तालाब को उनका जन्म स्थान माना गया है। नीरू और नीमा नामक जुलाहे दम्पति ने कबीरदास का पालन-पोषण किया। कबीरदास की पत्नी का नाम लोई था और कबीरदास के दो बच्चे थे, एक पुत्र और एक पुत्री जिनका नाम कमाल और कमाली था! हालांकि कबीर साहेब जातिवाद के खिलाफ थे लेकिन फिर भी उन्होंने खुद को जुलाहे के रूप में पेश किया। वे एक जगह कहते हैं - जाति जुलाहा नाम कबीरा बनि बनि फिरो उदासी! जिस समय कबीर साहेब का जन्म हुआ, तब देश में सिद्धों और योगियों आदि द्वारा प्रचलित अंधविश्वास फैल रहे थे। संपन्न वर्ग में भी रूढ़ियों और आडंबर की प्रधानता हो चली थी। ऐसे समय में भक्ति आंदोलन के रूप में ऐसा भारतव्यापी विशाल सांस्कृतिक आंदोलन उठा जिसने समाज में उत्कर्ष सामाजिक और वैयक्तिक मूल्यों की प्रतिष्ठा स्थापित की। कबीर साहेब ने स्वामी रामानन्द को अपना गुरु माना। कबीर दास की रचनाओं में सरल भाषा का प्रयोग किया गया है। इन्हें पंचमेल खिचड़ी अथवा सधुक्कड़ी भाषा कहा गया है। उनकी रचनाएं सिक्खों के आदि ग्रंथ में सम्मिलित की गयी हैं। 'श्री गुरु-ग्रंथ साहिब' में संत कबीर के 226 दोहे शामिल हैं। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे, इसलिए उनके दोहों को उनके शिष्यों द्वारा ही लिखा या संग्रहित किया गया था। वे स्वयं कहते हैं 'मसि कागद छुयो नहीं, कलम गही नहिं हाथ'। कबीरदास दास जीवन में गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए कहते हैं कि सद्गुरू की कृपा बिना परमात्मा का दर्शन होना बहुत कठिन है। गुरु के बिना मानव को ज्ञान की प्राप्त नहीं हो सकती लेकिन उन्होंने पाखण्डी बाबाओं और गुरुओं से भी सावधान होने रहने की शिक्षा देते हुए कहा है कि जिसका गुरु अंधा अर्थात ज्ञानहीन है, जिसकी अपनी कोई चिंतन दृष्टि नहीं है! ऐसे गुरु का अनुयायी तो निपट दृष्टिहीन होता है। उसमें अच्छे बुरे, हित-अहित को समझने की शक्ति नहीं होती। इस तरह अंधे गुरु के द्वारा ठेला जाता हुआ शिष्य आगे नहीं बढ़ पाता।

कबीर हिन्दुओं को कहते हैं कि किसी भी देवी-देवता की आप पत्थर की मूर्ति बनाकर पूजा करते हैं जो कि शास्त्र विरुद्ध साधना है। यह हमें कुछ नहीं दे सकती। इनकी पूजा से अच्छा चक्की की पूजा कर लो जिससे हमें खाने के लिए आटा तो मिलता है। पत्थर पूजे हरि मिले तो मैं पूजूँ पहार। तातें तो चक्की भली, पीस खाये संसार। ठीक इसी प्रकार उन्होंने मुसलमानों द्वारा जोर जोर से अजान देने पर कहा कि- कांकर-पाथर जोरि के मस्जिद लई बनाय, ता चढ़ी मुल्ला बांग दे का बहरा भया खुदाय। तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक परिस्थितियों ने उन्हें महान कवि बनाया। एक तरफ तो कबीर का स्वर विद्रोही है तो दूसरी ओर ब्राह्म के प्रति उनका अनन्य समर्पण है। कबीरदास को समाज के प्रति गहरी चिंता थी और इस चिंता से मुक्त होने के लिए वे समाज की विसंगतियों का पर्दाफाश किया। उन्होंने समाज में फैले जातिवाद का कड़ा विरोध किया। वे कहते हैं कि - जात न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ी रहन दो म्यान! दुनिया के महान संत, महान कवि ने संवत 1575 विक्रमी (सन 1518 ई.) को काशी के निकट मगहर में अपने प्राण त्याग दिए। ऐसी मान्यता है कि मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर भी विवाद उत्पन्न हो गया था। हिंदू कहते हैं कि उनका अंतिम संस्कार हिंदू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। इसी विवाद के चलते जब उनके शव से चादर हट गई तब लोगों ने वहां फूलों का ढेर पड़ा देखा और बाद में वहां से आधे फूल हिंदुओं ने उठाए और आधे फूल मुसलमानों ने। महान कवि कबीरदास ने अपने जीवन में किसी तरह की शिक्षा नहीं ली थी, लेकिन उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों, कल्पना शक्ति और अध्यात्म कल्पना शक्ति के बल पर पूरी दुनिया को वो ज्ञान दिया, जिसे अमल कर आज भी मानव अपने जीवन में सफलता हासिल कर सकता है। आज भी उनकी शिक्षाओं का हमारे जीवन में उतना ही महत्व है जितना कि उनके समय में था। हम उनके दिखाये मार्ग पर चलकर और उनकी दी शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें, यही उनके प्रति हमारी श्रद्धा और भक्ति होगी।

(लेखक शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू

संकलित

दर्शन

सामान्य तौर पर हम अधिकार एवं कर्तव्य की बात करते हैं। जबकि वास्तव में होना चाहिए कर्तव्य और अधिकार। व्यक्ति को पहले अपना कर्तव्य करना चाहिए। फिर अपने अधिकारों की बात करनी चाहिए। जब हम अधिकारों की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। यह विडंबना है कि संविधान में भी कर्तव्यों को बाद में जोड़ा गया। जब कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू हैं, तो हम हमेशा अधिकार पर ही क्यों रुक जाते हैं? कर्तव्य हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं तो अधिकार हमारे जागरूक होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यदि हम जागरूक हैं तो फिर जिम्मेदार क्यों नहीं? अगर परिवार, समाज और देश में समृद्धि और शांति लाना चाहते हैं तो हर नागरिक को पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान देना होगा। केवल अधिकारों की बात कर उसकी आड़ में हम अपने कर्तव्यों को अनदेखा न करें। हम ईमानदारी से कर्तव्य करते रहेंगे तो अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो जाएंगे, क्योंकि वह कर्तव्यों में ही निहित है। कर्ण की कर्तव्य के प्रति निष्ठा सर्वविदित है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन ही नहीं, बल्कि मनुष्य मात्र को यह उपदेश दिया है कि 'कर्म करो और फल की इच्छा मत करो।' जब इच्छित फल की हमें प्राप्ति नहीं होती है तो हमें दुख होता है। अतः सुखी रहना है तो सिर्फ कर्म करें और वह भी निष्काम भाव से। कर्तव्यों में कर्म है और कर्म करना ही मनुष्य की पहचान है। यही कर्म पुण्य के माध्यम से हमें स्वर्ग के द्वार तक पहुंचाते हैं।

झूठे आरोप का सामना बुद्धिमानी और धैर्य के साथ करें

संकलित

प्रेरणा

महाभारत की कथा है। उस समय द्वारका में सत्राजित नाम का व्यक्ति था, वह सूर्य भक्त था। उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर सूर्य देव ने उसे स्यमंतक नाम की चमत्कारी मणि दी थी। इस मणि की खास बात ये थी कि ये हर रोज बीस तोला सोना देती थी। मणि की वजह से सत्राजित बहुत धनवान हो गया था। एक दिन श्रीकृष्ण ने सत्राजित से कहा कि आप ये मणि राजकोष में दे देंगे तो राज व्यवस्था के लिए हमें भी थोड़ा धन मिल जाएगा। श्रीकृष्ण की बात सुनकर सत्राजित ने मणि देने से मना कर दिया। सत्राजित की ना सुनकर श्रीकृष्ण वहां से अपने महल लौट आए। सत्राजित का एक भाई था प्रसेनजित। प्रसेनजित ने अपने भाई को बिना बताए उसकी स्यमंतक मणि ले ली और जंगल में शिकार खेलने चला गया। जंगल में एक शेर ने प्रसेनजित को मार दिया और खा गया। प्रसेनजित के पास से स्यमंतक मणि वही गिर गई। इधर सत्राजित को अपना भाई और मणि दिखाई नहीं दी तो उसने पूरी द्वारका में ये खबर फैला दी कि कृष्ण ने मेरी मणि चुराई है और मेरे भाई प्रसेनजित की हत्या कर दी है। श्रीकृष्ण ने विचार किया कि इस कलंक को मिटाना होगा। जंगल में श्रीकृष्ण को शेर के पंजों के निशान दिखाई दिए। श्रीकृष्ण मणि खोजने लगे। वहीं पास में एक गुफा के बाहर कुछ बच्चे मणि से खेल रहे थे, श्रीकृष्ण ने मणि देख ली। उस गुफा में जामवंत रहते थे। श्रीकृष्ण गुफा में पहुंचे। गुफा में श्रीकृष्ण और जामवंत का युद्ध हुआ। युद्ध में श्रीकृष्ण जीते तो जामवंत ने अपनी पुत्री जामवती का विवाह श्रीकृष्ण से कर दिया और स्यमंतक मणि भी दे दी।

अंतर्मन

आज की पाती

ट्रंप की हठधर्मिता का मुकाबला करे भारत

दुनिया के सभी देश व्यापार के लिए एक-दूसरे पर किसी न किसी रूप में थोड़े बहुत निर्भर जरूर हैं। इसलिए अगर कोई भी देश खास तौर पर अमरीका जैसे व्यापार का गढ़ माने जाने वाले देश कोई आयात-निर्यात के लिए फैसला लेते हैं, तो इससे दुनिया के सभी देशों पर थोड़ा बहुत असर जरूर पड़ता है। हाल ही में अमरीका की ट्रंप सरकार ने जो टैरिफ लगाने का मन बनाया, उसने दुनिया भर को इससे प्रभावित होने का भय पैदा किया है, लेकिन इससे हमारे देश को उतना नुकसान नहीं होगा, जितना उन देशों को होगा जो पूरी तरह अमरीका पर व्यापार के लिए निर्भर हैं। अमरीका ने हमारे देश पर मात्र 26 फीसदी टैक्स, जबकि दूसरे देशों पर इससे ज्यादा शुल्क लगाया है। दवाइयों पर शुल्क कम रखा है, भारत को इसका फायदा उठाना चाहिए। ट्रंप की हठधर्मिता का मुकाबला हो।

-लखन वर्मा, धमतरी

ट्रेंड

प्रार्थना का सौभाग्य मिला

तमिलनाडु के मदुरै में स्थित मीनाक्षी अम्मन मंदिर हमारी आध्यात्मिकता का एक प्रतिष्ठित केंद्र है और हमारी पारंपरिक वास्तुकला की भव्यता का प्रतीक है। सभी के लिए माँ की कृपा की कामना करते हुए प्रार्थना करने का सौभाग्य मिला।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

कड़ी मेहनत व इरादा जरूरी

किसी राज्य का नेतृत्व करने के लिए आपको कड़ी मेहनत और इरादे की ज़रूरत होती है, ज़रूरी नहीं कि अनुभव की। एक छोटे से गांव की मिट्टी से लेकर मुख्यमंत्री के पद तक, मेरी यात्रा लोगों के विश्वास और संघर्षों से आकार लेती है, जिन्हें मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है।

-मोहन चरण माझी, सीएम, ओडिशा

राष्ट्रीय सुरक्षा

भारतीय सेनाओं के आधुनिकीकरण से लेकर स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने और सीमा सुरक्षा को बढ़ाने तक, पिछले 11 वर्षों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को नए सिरे से परिभाषित किया है।

-रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

भाजपा आत्म-मंथन करे

भाजपा आत्म-मंथन करे और साथ ही उनके समर्थक भी कि जो लोग किसी की मृत्यु के लिए झूठ बोल सकते हैं, वो झूठ के किस पाताल-पर्वत पर चढ़कर अपने को, अपने मिथ्या-साम्राज्य का मुखिया मान रहे हैं।

- अखिलेश यादव, सपा सांसद

करंट अफेयर

हार्वर्ड में अनिश्चितताओं से जूझ रहे भारतीय छात्र

हार्वर्ड में पढ़ रहे भारतीय छात्रों का कहना है कि वे ट्रंप प्रशासन की विश्वविद्यालय के खिलाफ लगातार लड़ाई के बीच अनिश्चितता और चिंता के दौर से गुजर रहे हैं। साथ ही नौकरी के अवसरों की कमी को लेकर भी फिक्रमंद हैं।हार्वड केनेडी स्कूल से पिछले महीने स्नातक हुए एक भारतीय छात्र ने नाम जाहिर नहीं होने की गुजारिश पर कहा, "यह ऐसा समय है जब हम समझ नहीं पा रहे हैं कि क्या करें, क्या हमें घर लौट जाना चाहिए, या फिर यहीं कुछ उपाय निकालने की कोशिश करनी चाहिए। हार्वर्ड में कुछ भारतीय छात्रों ने नाम नहीं जाहिर करने के आग्रह पर 'पीटीआई' से बात करते हुए पिछले कुछ महीनों के अपने अनुभवों और चिंताओं को साझा किया, जिस दौरान प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय को ट्रंप प्रशासन के लगातार हमलों का सामना करना पड़ा है।

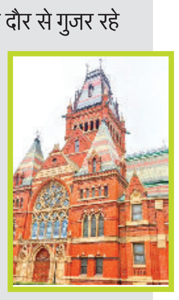

प्रशासन की कार्रवाई में 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर के अनुदान पर रोक लगाना, अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की विश्वविद्यालय की पात्रता को रद्द करना तथा हार्वर्ड में अध्ययन या आदान-प्रदान कार्यक्रमों में भाग लेने के इच्छुक विदेशी नागरिकों के प्रवेश को निलंबित करना शामिल है। आंतरिक सुरक्षा विभाग ने कहा है कि हार्वड नेतृत्व ने अमेरिका विरोधी और आतंकवाद समर्थक लोगों को प्रवेश की अनुमति देकर परिसर में असुरक्षित माहौल पैदा किया है।

ऑफ बीट

सिर्फ कैलोरी पर नजर रखना जरूरी नहीं

वजन-समावेशी स्वास्थ्य देखभाल का अर्थ है बेहतर स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना, जिसमें वजन घटाने की आवश्यकता नहीं है। इसमें कैलोरी की संख्या के बजाय समग्र कल्याण के लिए भोजन करने जैसी प्रथाएं शामिल हैं। इसमें तनाव कम करने के लिए गतिविधियों को प्राथमिकता देना, धूम्रपान से बचना, कम शराब पीना और आनंददायक तरीकों से शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का प्रयास करना भी शामिल हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति वजन-समावेशी दृष्टिकोण वजन बढ़ने से होने वाले नुकसान को कम करने का प्रयास करता है। अधिक वजन वाले लोग अक्सर दूसरों से - जिनमें उनके अपने डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता भी शामिल हैं - भेदभाव, पूर्वाग्रह, नकारात्मक रूढ़िवादिता और अपमानजनक टिप्पणियों का सामना करते हैं विभिन्न आकारों के 40% से अधिक अमेरिकी वयस्कों ने अपने दैनिक जीवन में वजन संबंधी अपमान का अनुभव किया है। अमेरिका में लोग वजन कम करने के लिए जिस हद तक जाते हैं, उसके पीछे संभवतः इस अपमान से बचना एक प्रमुख कारण है। बाजार के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिकियों ने 2021 में वजन घटाने के उत्पादों और कार्यक्रमों पर लगभग 72.6 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किए।

21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के काउंटडाउन पर कराया जा रहा है योगाभ्यास

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

आयुर्वेद विभाग अलवर के उपनिदेशक डॉक्टर करण सिंह दहिया के निर्देश पर 20 मई से 20 जून तक अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के काउंटडाउन पर योगाभ्यास किया जा रहा है। कोटकासिम नोडल आयुर्वेद विभाग के अधिकारी डॉक्टर अरुण मुदगल ने बताया कि नियमित प्रात काल राजकीय ब्लॉक आयुष चिकित्सालय एवं ब्लॉक कोटकासिम के समस्त आयुर्वेद औषधालय में योगाभ्यास कराया जा रहा है। यह कार्यक्रम 20 जून तक चलेगा एवं 21 जून को सभी ग्राम पंचायत मुख्यालय एवं ब्लॉक मुख्यालय पर विश्व योग दिवस मनाया जायेगा। इस बार की योग थीम वन अर्थ वन हेल्थ के रूप में कराया जा रहा है। उन्होने बताया की योगासन करने से शरीर की समस्त बीमारियां ठीक होती है एवं मनुष्य शरीर में एनर्जी आती है।

पवित्र मनन दीप द्वारा छबील लगाकर राहगीरों को पिलाया मीठा शर्बत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

पवित्र मनन दीप सत्संग सेवा संस्थान कोटकासिम द्वारा भूतेश्वर मंदिर के सामने छबील लगाकर दिनभर राहगीरों को मीठा शर्बत पिलाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव भास्कर भारद्वाज ने भोलेनाथ का अभिषेक कर मंत्र उच्चारण से किया। वही इस दौरान पवन उर्फ गोली प्रजापत और पवन योगी द्वारा सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर गुरुदेव भास्कर भारद्वाज ने कहा नर सेवा नारायण सेवा के बराबर होती है इसलिए हमें परहित के लिए कार्य अवश्य करना चाहिए। इस पावन अवसर पर पवन योगी, व्याख्याता धर्मपाल सैनी, मोहन योगी, ग्यारसी राम सैनी, हीरालाल लखेरा, पंकज पवार, राजेश कुमार, दुर्गेश योगी सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

सारनवास गांव के मुख्य रास्ते में भरा गंदा पानी बना राहगीरो एवं ग्रामीणो के लिए परेशानी का सबब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

सारनवास गांव के मुख्य रास्ते में गंदा पानी भरने से ग्रामीणो को आये दिन भारी परेशानियो का सामना करना पड रहा है। वही आए दिन गांव के बच्चे, बूढ़े और राहगीर पानी में गिरकर चोटिल हो रहे है। क्षेत्र के गांव सारनवास पहाड़वास के बस स्टैंड से गांव में जाने वाले मुख्य रास्ते पर काफी समय से गंदा पानी भरा होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। जिसे लेकर नवयुवक मंडल ने ग्रामीणों को एकत्रित मुख्य रास्ते रास्ता साफ करने एवं गन्दे पानी की निकासी की बात रखी। ग्रामीणों ने अवगत कराया बस स्टैंड से गांव में प्रवेश करने के मुख्य रास्ते पर नाला अवरुद्ध होने और सीवरेज लाइन में गंदा पानी जाने का रास्ता नहीं होने के कारण सारा पानी बस स्टैंड की ओर ही भर जाता है। गांव का मुख्य रास्ता होने के कारण बच्चे बूढ़े और आम जनता इसी रास्ते से होकर गुजरते है और आए दिन कोई न कोई बुजुर्ग, बच्चे या राहगीर इस गंदे पानी में गिरकर घायल हो रहा है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत और प्रशासन से आम रास्ते से गंदा पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है।

वंदे गंगा अभियान के तहत बीबीरानी मंदिर जलाशय की सफाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

जल संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत मंगलवार को बीबीरानी मंदिर स्थित जलाशय में विशेष सफाई अभियान एवं जल शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिसर में परिंडें लगाकर व उनमें जल भरने के साथ हुई। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों एवं अधिकारियों ने सहभागिता निभाई। अभियान का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण, प्लास्टिक से मुक्ति और जल के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर जलाशय के तट पर एकत्रित आमजन ने जल संरक्षण की शपथ ली और संकल्प लिया कि जल है तो कल है। इसी भावना से वे जल बचाने के हर प्रयास में भाग लेंगे। शपथ ग्रहण के उपरांत ग्रामीणों ने श्रमदान करते हुए जलाशय की सफाई की। इस मौके पर विकास अधिकारी श्यामसुंदर शर्मा, अधिशासी अभियंता छत्रपाल सिंह, ग्राम पंचायत गुणसार सरपंच दयाराम यादव, बलबीर यादव सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बाबा भैंया के द्वितीय विशाल देशी घी का भंडार एवं रागनी कम्पटीशन का हुआ आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

मंगलवार को क्षेत्र के गांव बघाना स्थित बाबा भैया आश्रम पर द्वितीय विशाल देशी घी के भंडारे का आयोजन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बघाना के बाबा भैया आश्रम पर सोमवार रात्री को भजन संध्या का आयोजन किया गया। वही मंगलवार 10 जून को प्रात काल हवन यज्ञ के बाद द्वितीय विशाल भंडारा एवं रागनी कम्पटीरशन का आयोजन किया गया। रागनी कम्पटीशन के दौरान छमा तिवारी, लक्की भाटीया, अमित चौधरी, स्नेहा यादव, मोनू महाशय, विपिन बैसला, भारती चौधरी, कशिश चौधरी, बाल बलाकर विकास प्रजापति द्वारा सांस्कृति कार्यक्रमो की प्रस्तुति दी गई।

राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में शास्त्री प्रथम वर्ष हेतु आवदेन प्रारंभ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

कस्बे के श्रीमति कलावति देवी महावर राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में शास्त्री प्रथम वर्ष हेतु आवदेन शुरू हो गये है। राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य नरेश कुमार बाघोरिया ने बताया की 9 जून से शास्त्री प्रथम वर्ष हेतु आवदेन शुरू हो गये है। आवदेन भरने की अंतिम तिथि 19 जून रहेगी। आवेदन महाविद्यालय में ऑफलाईन किया जायेगा।

आरएसपीसीबी ने की भिवाड़ी में ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राइव की तैयारी

के के आई ए के सानिध्य में खुशखेड़ा में हुई कार्यशाला

13 से 15 जून तक चलेगा ड्राइव, उद्योगों को जिम्मेदार निपटान के लिए किया गया जागरूक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में 13, 14 और 15 जून को ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राइव आयोजित की जा रही है। इस अभियान की पूर्व तैयारी और जानकारी देने के लिए मंगलवार को खुशखेड़ा कारौली इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के सानिध्य से भगवती प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड , खुशखेड़ा परिसर में एक प्रस्तुति सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रस्तुति सत्र में आरएसपीसीबी के अमित जुयाल व अंकुर पाठक ने अधिकृत ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग एजेंसी ,ष्ठज्ञज्ञश्व कारौली ने ई-वेस्ट संग्रहण की प्रक्रिया, उठान का कार्यक्रम, दर सूची और डिस्पोजल प्रमाणपत्र से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में केकेआईए के अध्यक्ष प्रदीप दायमा, मयंक अग्रवाल , संदीप यादव तथा आनंद अग्रवाल , गजेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। साथ ही विभिन्न औद्योगिक इकाई-भगवती प्रोडक्ट, ग्रोज़ टूल, युताका इंडिया, बेस्टेक एमएम, डीएलजेएम, आस्क ऑटोमोबाइल, एफआईईएम, पैरामाउंट केबल, कल्याणी फोर्जिंग, क्राफ्टमैन ऑटोमेशन, सनबीम, सीएमआर ग्रीन, एचपीएम केमिकल, दत्ता केमिकल, माइक्रो कॉइल, इंडो ऑटोटेक, मार्केन इमेज इंडिया, एलाइड मेडिकल, कैपस्टोन सहित दर्जनों इकाइयों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अधिकारियों के अनुसार, यह ड्राइव आरएसपीसीबी द्वारा पंजीकृत रीसाइक्लर्स के माध्यम से संचालित की जाएगी, जो तय कार्यक्रम के अनुसार औद्योगिक इकाइयों से ई-कचरा एकत्र करेंगे। कचरे के बदले नियत दरों का भुगतान किया जाएगा और प्रत्येक इकाई को मान्यता प्राप्त डिस्पोजल सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पन्न इलेक्ट्रॉनिक कचरे का वैज्ञानिक, सुरक्षित और प्रामाणिक निपटान सुनिश्चित करना है, जिससे पर्यावरणीय प्रदूषण को रोका जा सके। यह अभियान ईपीआर दिशा निर्देशों के अनुरूप है और सरकार की सतत विकास नीतियों को समर्थन देता है। के.के.आई.ए ने सभी औद्योगिक इकाइयों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय भाग लें और अपने पुराने व अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का जिम्मेदार निपटान कर पर्यावरण सुरक्षा में योगदान दें।

केशवानन्द नीट आईआईटी एकेडमी का भव्य शुभारम्भ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

एनएच 52 स्थित स्वामी केशवानन्द शिक्षण संस्थान समूह भढाडर सीकर के नवनिर्मित कैम्पस केशवानन्द नीट आईआईटी एकेडमी का भव्य शुभारम्भ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय शिक्षा संकुल के निदेशक हरिराम रणवां रहे वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रिंस एजुकेशन हब के निदेशक जोगेन्द्र सुंडा, डैफोडिल वर्ल्ड स्कूल के निदेशक संजीव कुल्हरी, यूरो स्कूल के निदेशक शिवराम चौधरी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजपाल यादव, धोद एसडीएम राहुल मल्होत्रा, सदर थाना अधिकारी इंद्राज मरोडिया, श्रीमाधोपुर विकास अधिकारी सुनील ढाका, तेजा सेना अध्यक्ष श्रीराम बिजारणिया, अखिल भारतीय ढाका परिवार के अध्यक्ष बाबुलाल ढाका, मंडावा तहसीलदार सुरेन्द्र भास्कर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर नवमिर्मित नीट, जेईई, फाउडेशन कैम्पस का फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। संस्थान निदेशक रामनिवास ढाका, सहनिदेशक गोपाल सिंह, चैयरमैन सुरेन्द्र सिंह ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ व मोमेंटों देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने बोर्ड परीक्षा 2025 में उच्च रैंक हासिल करने वाले 350 से अधिक बच्चों को नगद पुरस्कार, साफा, घडी व छाता एवं अभिभावकों को सॉल भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर संस्थान निदेशक रामनिवास ढाका ने अपने उद्बोधन में बताया कि नवनिर्मित कैम्पस में ग्रामीण अंचल के बच्चों के लिए शहरी कोलाहल से दूर नीट, जेईई, फाउडेशन की कोचिंग दी जायेगी। ग्रामीण बच्चों के लिए शहर में जाकर अध्ययन करने में जो समय नष्ट होता है उस समय के सदुपयोग करने हेतु संस्थान के नवनिर्मित कैम्पस में आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षा कक्ष, डिजीटल लाइब्रेरी, कम्पयूटर लैब के साथ प्रशिक्षित शिक्षको की टीम उपलब्ध है जो बच्चों के भविष्य निर्माण को लेकर तत्पर है। इस अवसर पर हजारों की संख्या में अभिभावककों सहित प्रबंधन सदस्य, स्टाफ एवं बच्चे उपस्थित रहे।

टेस्ट क्रिकेट : इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होने वाला है। रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी गेंदबाज टीम का हिस्सा नहीं हैं। अश्विन ने संन्यास ले लिया है और शमी को टीम का हिस्सा नहीं बनाया गया है। ऐसे में गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती रहने वाली है। आइए उन सक्रिय भारतीय गेंदबाजों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट झटके हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में रविंद्र जडेजा के आंकड़े कमाल के रहे

रविंद्र जडेजा (70 विकेट)

सूची में पहले स्थान पर भारत के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच साल 2012 में खेला था। उन्होंने अब तक 20 मुकाबले खेले हैं और इसकी 37 पारियों में 32.57 की औसत से 70 विकेट लेने में सफल रहे हैं। उनके नाम 2 बार 5 विकेट हॉल भी है। इंग्लैंड के खिलाफ उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/48 विकेट का रहा है। दोनों पारियों को मिलाकर जडेजा ने एक बार 10 विकेट भी लिए हैं।

जसप्रीत बुमराह (60 विकेट)

दूसरे स्थान पर भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। उन्होंने इस टीम के खिलाफ अपना पहला मुकाबला साल 2018 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 14 मुकाबले खेले हैं और इसकी 26 पारियों में 22.16 की उम्दा औसत के साथ 60 विकेट लेने में कामयाब रहे हैं। बुमराह ने 3 बार 5 विकेट हॉल भी अपने नाम किए हैं। उनका इंग्लैंड के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/45 विकेट का रहा है।

मोहम्मद शमी (44 विकेट)

इस सूची में शमी तीसरे स्थान पर हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने उनको लेकर कहा था कि, वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं। इसी कारण उनका चयन नहीं हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ शमी ने 15 टेस्ट मैच खेले हैं। इसकी 27 पारियों में 38.29 की औसत से 44 विकेट लिए हैं। वह एक बार भी 5 विकेट हॉल लेने में सफल नहीं हो पाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/57 का रहा है।

अक्षर पटेल (32 विकेट)

इंग्लैंड के खिलाफ 2021 में अपना पहला टेस्ट मैच खेलने वाले स्पिन गेंदबाज अक्षर पटेल इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैच खेले हैं और इसकी 10 पारियों में 15.37 की उम्दा औसत के साथ 32 विकेट लेने में सफल रहे हैं।उन्होंने 4 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/38 का रहा है। इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद अक्षर को टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है।

खबर संक्षेप

रेसवॉकर प्रियंका ने सत्र की पहली जीत दर्ज की

नई दिल्ली। भारत की रेसवॉकर प्रियंका गोस्वामी ने सत्र की पहली जीत दर्ज करते हुए इंसब्रुक में आसट्रियन रेसवॉकिंग चैम्पियनशिप में महिलाओं की दस किलोमीटर दौड़ में पहला स्थान हासिल किया। इंसब्रुक में पुरूषों की 35 किलोमीटर रेसवॉक में संदीप कुमार दूसरे और राम बाबू तीसरे स्थान पर रहे। प्रियंका गोस्वामी ने 47 मिनट और 54 सेकंड का समय निकाला। उनके नाम 20 किलोमीटर रेसवॉक में एक घंटे, 28.45 मिनट का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। दस किलोमीटर में उनका सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 45 मिनट और 47 सेकंड का है जो उन्होंने 2022 में बनाया था। वह मई में मेलबर्न में एथलेटिक्स विक्टोरिया वॉकिंग चैम्पियनशिप में दूसरे स्थान पर रही थी। गोस्वामी ने अपने सोशल मीडिया हैंडिल्स पर लिखा ,'' एक मिनट के दंड के बावजूद मैने स्वर्ण जीता जो आसान नहीं था। बुखार और दंड के बाद यह मुश्किल था।

रुतुराज यार्कशायर टीम से खेलते आएंगे नजर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ करार किया है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज गायकवाड़ के काउंटी चैंपियनशिप के 5 मैचों के लिए उपलब्ध रहने की उम्मीद है। वह अगले महीने सरे के खिलाफ होने वाले चैंपियनशिप मैच से पहले टीम में शामिल होंगे। इसके साथ-साथ वह इस टीम के साथ वनडे कप में भी हिस्सा लेंगे। फिलहाल इंग्लैंड दौरे पर मौजूद हैं गायकवाड़ इस समय इंडिया-ए टीम का हिस्सा बनकर इंग्लैंड में हैं, लेकिन इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अब तक दोनों ही मैचों में नहीं खेले हैं। दरअसल, 28 वर्षीय गायकवाड़ पिछले 2 महीने से ज्यादा समय से मैदान पर नहीं उतरे हैं। वह आईपीएल 2025 में कोहनी में चोट लगा बैठे थे और बचे हुए टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। वह इस सीजन में सीएसके की कप्तानी कर रहे थे।

इलावेनिल को आईएसएसएफ विश्व कप में कांस्य पदक

म्यूनिख। भारत की दिग्गज निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान को मंगलवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप में प्रतियोगिताओं के पहले दिन महिला 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में एक समय शीर्ष पर रहने के बावजूद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।पच्चीस साल की भारतीय निशानेबाज इलावेनिल ने 231.2 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की 18 साल की वैंग झिफेई ने 252.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि कोरिया की क्वोन युनजी ने 252.6 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इलावेनिल ने फाइनल में 10.7 अंक के साथ शुरुआत की और फिर अपने अगले प्रयास में 10.8 अंक जुटाए।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का फाइनल मुकाबला आज से

अफ्रीका चाहेगी पहली बार खिताब हथियाना ऑस्ट्रेलिया भी कड़ी चुनौती देने तैयार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र का फाइनल मुकाबला दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच 11 जून से होगा। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में यह प्रतिष्ठित मुकाबला खेला जाएगा। तेम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम पहली बार यह खिताब जीतना चाहेगी, जबकि पैट कमिंस के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलियाई टीम लगातार दूसरी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाना चाहेगी। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाला यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा रहा है भारी

अब तक दोनों टीमों की भिड़ंत में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा है। टेस्ट प्रारूप में अब तक ये दोनों टीमें कुल 101 मैचों में आमने-सामने हुई है, जिसमें से 54 टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं, जबकि 26 टेस्ट प्रोटियाज टीम ने अपने नाम किए हैं। इस बीच 21 मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। तटस्थ मैदानों पर दोनों टीमें 3 मैचों में आपस में भिड़ी हैं, जिसमें से 2 में ऑस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज (ड्रॉ-1) की है।

इस संयोजन के साथ उतर सकती है ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया की टीम से एक बार फिर उस्मान ख्वाजा पारी की शुरुआत करते हुए नजर आएंगे। गेंदबाजी में कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की तिकड़ी कहर बरपाने के लिए तैयार होगी। नाथन लियोन पर स्पिन विभाग की जिम्मेदारी होगी। ब्यू वेबस्टर को मौका मिल सकता है।
संभावित एकादशः उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, और जोश हेजलवुड।

ड्रॉ होने पर कौन बनेगा चैंपियन

टेस्ट मैच अधिकतर ड्रा ही होते हैं और बहुत ही कम चांस जीत हार के होते हैं। ऐसे में यह कयास लगाया जाना लाजिमी है कि अगर यह मुकाबला ड्रा रहता है तो कौन सी टीम विजेता घोषित की जाएगी और किसे ईनामी राशि 30 करोड़ रुपए मिलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पिछली बार भारत को हराकर पहला डब्ल्यूटीसी खिताब जीता था। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा अपनी टीम को पहला विश्व टेस्ट खिताब दिलाने की कोशिश में हैं। अगर मैच ड्रॉ या रद्द हो जाता है तो ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका को संयुक्त रूप से विजेता घोषित कर दिया जाएगा।

विजेता को मिलेगी 30 करोड़ की इनाम राशि

आईसीसी ने इस बार विजेता टीम के लिए पुरस्कार राशि को दोगुना से भी ज्यादा कर दिया है। फाइनल जीतने वाली टीम को 30 करोड़ की इनामी राशि मिलेगी। जबकि उपविजेता टीम को 18 करोड़ रुपये मिलेंगे।

ऐसी हो सकती है दक्षिण अफ्रीका की प्लेइंग इलेवन

दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने बताया है कि रयान रिकेल्टन और एडेन मार्करम टीम की सलामी जोड़ी होगी। काइल वेरिन टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज हो सकते हैं। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग से प्रभावित किया है। तेज गेंदबाजी का कार्यभार कगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी के कंधो पर होगा।
संभावित एकादशः एडेन मार्करम, रयान रिकेल्टन, टोनी डी जोरजी, तेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, काइल वेरिन (विकेटकीपर), वियान मुल्डर, मार्को येंसन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, और लुंगी एनगिडी।

भारत 2027 एशियाई कप क्वालीफायर के अहम मैच में हांगकांग से 0-1 से हारा

एजेंसी ▶▶| कोवलून (हांगकांग)

भारतीय फुटबॉल टीम को 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के अहम मैच में स्टीफन परेरा के इंजरी टाइम में दागे गोल के कारण मंगलवार को यहां मेजबान हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। अपने से कम रैंकिंग वाले हांगकांग के खिलाफ हार भारत के लिए बड़ा झटका है क्योंकि टीम लगातार खराब प्रदर्शन कर रही है और फिनिशिंग कौशल की कमी का खामियाजा उसे भुगतना पड़ रहा है। रेफरी ने हांगकांग को उस समय पेनल्टी दी जब भारत के गोलकीपर विशाल कैथ गोल लाइन से बाहर आए और गेंद को सुरक्षित बाहर करने की कोशिश की लेकिन माइकल उदेबुलुजोर के खिलाफ फाउल कर बैठे। परेरा (90+4) ने इसके बाद पेनल्टी पर गोल दागकर हांगकांग की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने गेंद को कैथ के दाईं ओर से गोल में पहुंचाया। कैथ को इंजरी टाइम के फाउल के लिए पीला कार्ड भी दिखाया गया। इस हार से भारत की सऊदी अरब में होने वाले अगले एशियाई कप में पहुंचने की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा है और टीम फीफा रैंकिंग में 133वें स्थान पर खिसक जाएगी जबकि हांगकांग को अंक मिलेंगे और वह आगे बढ़ेगा। इससे पहले भारत के कोच मनोलो मारक्वेज ने अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री को शुरुआती एकादश से बाहर रखा। नवनिर्मित काई टेक स्टेडियम में स्थानीय दर्शक मेजबान टीम के समर्थन में बड़ी संख्या में जुटे थे लेकिन भारत ने पहले हाफ में कुछ मौके बनाते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। हांगकांग ने हालांकि गेंद को अधिक समय तक अपने कब्जे में रखा। एक बार फिर शुरुआती 45 मिनट में फिनिशिंग की कमी ने भारतीय टीम को निराश किया। मध्यांतर से पहले जो मौके मिले उनमें से 35वें मिनट में भारतीय टीम गोल करने के सबसे करीब थी लेकिन आशिक कुरुनियन ने लिस्टन कोलासो के क्रॉस पर शॉट बाहर मार दिया। चोटिल होने के कारण चिकित्सा सहायता के बाद कोलासो ने लंबी दूरी से एक शक्तिशाली शॉट लगाया लेकिन वह सीधे गोलकीपर के दस्तानों में चला गया।

केंट पहुंचे अर्शदीप, इंग्लैंड टेस्ट से पहले लय हासिल करने की कोशिश

लंदन। भारत के बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह केंट लौटकर खुश हैं जहां उन्होंने काउंटी क्रिकेट खेली है और इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले वह पारंपरिक प्रारूप में लय हासिल करने की कोशिश में होंगे। 26 वर्ष के अर्शदीप को भारतीय टीम में चुना गया है और उनकी नजरें पहला टेस्ट खेलने पर लगी होंगी। भारतीय टीम 13 जून से भारत ए के खिलाफ केंट में चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। सीमित ओवरों के प्रारूप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अर्शदीप दो साल पहले केंट के लिये काउंटी चैम्पियनशिप खेल चुके हैं उन्होंने इस साल आईपीएल में उपविजेता पंजाब किंग्स के लिये भी शानदार गेंदबाजी की।

पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

सिर्फ 29 साल की उम्र में लिया संन्यास

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है। उन्होंने सिर्फ 29 साल की उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलने वाले पूरन ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की। वह अपने अब तक के करियर में वेस्टइंडीज टीम की कप्तानी भी कर चुके थे।

इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया ऐलान

पूरन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'काफी सोच-विचार के बाद मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। जिस खेल से हम प्यार करते हैं, उसने हमें बहुत कुछ दिया है। इस खेल ने वेस्टइंडीज के लोगों का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया है।' पूरन का संन्यास का फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि अगले साल ही टी-20 विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में होना है।

प्रो लीग : लगातार दो हार के बाद अर्जेंटीना के खिलाफ जीत की राह पर लौटना चाहेगा भारत

एजेंसी ▶▶| एम्सटेलवीन

लगातार दो मैच हार चुकी भारतीय पुरूष हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ बुधवार को एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के अगले मैच में आखिरी मिनटों में गोल गंवाने और पेनल्टी में तब्दील नहीं कर पाने की अपनी कमजोरी से पार पाना होगा।

भारतीय टीम के लिये यूरोप चरण की शुरूआत खराब रही और उसे नीदरलैंड ने पहले दो मैचों में 2-1 और 3-2 से हराया। दोनों मैचों में भारत ने बढ़त बनाने के बाद आखिरी मिनटों में गोल गंवाये। इसके अलावा भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी बेहतर करना होगा। पिछले मैच में नौ में से एक पेनल्टी कॉर्नर को ही भारतीय टीम गोल में बदल सकी। अभी इस चरण में छह मैच खेले जाने बाकी हैं और भारत 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर है।

भारत का मुकाबला अब इन देशों से

अब भारत को अर्जेंटीना से दो मैच खेलने हैं जिसके बाद आस्ट्रेलिया और फिर बेल्जियम का सामना करना होगा। अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को प्रो लीग में एकमात्र पराजय 2022 में भुवनेश्वर में मिली थी । प्रो लीग के जरिये अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश में जुटी भारतीय टीम को बाकी मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबलों में भारत का पलड़ा भारी रहा है। पेरिस ओलंपिक में दोनों टीमों का मुकाबला ड्रॉ रहा था। प्रो लीग 2023-24 में भारत ने अर्जेंटीना को दो बार हराया था और दूसरी जीत शूटआउट में मिली थी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कहा हम पूरी तरह से तैयार हैं।

भारत से टेस्ट मैच के पहले इंग्लैंड को झटका, तेज गेंदबाज जोश हुए चोटिल

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। उनके तेज गेंदबाज जोश टंग को इंडिया ए के खिलाफ नॉर्थम्प्टन में चल रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान चोट लग गई है। इस चोट के कारण टंग का हेडिंग्ले, लीड्स में होने वाले पहले टेस्ट में खेलना अनिश्चित हो गया है। उनकी चोट की गंभीरता के बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है, लेकिन इंग्लैंड के लिए यह चिंता का विषय है, क्योंकि टंग को भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया था। जोश टंग केवल चार ओवर गेंदबाजी कर सके और इसके बाद मैदान छोड़कर चले गए। इस छोटे स्पेल में टंग ने बिना कोई विकेट लिए 27 रन दिए, जो काफी महंगा साबित हुआ।

जर्मनी में चार देशों के टूर्नामेंट में 21 जून से

भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम की अगुआई करेंगे हुंडल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनुभवी ड्रैग फ्लिकर अराइजीत सिंह हुंडल 21 जून से बर्लिन में शुरू हो रहे चार देशों के टूनर्रामेंट में भारत की 24 सदस्यीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की अगुआई करेंगे। यह टूर्नामेंट इस साल चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा। भारत और मेजबान जर्मनी के अलावा 21 से 25 जून तक होने वाली इस प्रतियोगिता में स्पेन और ऑस्ट्रेलिया भी हिस्सा लेंगे। हुंडल 2023 जूनियर एशिया कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं और 2023-24 प्रो लीग में भी खेले डिफेंडर आमिर अली को भारतीय टीम का उप कप्तान बनाया गया है।

एफआईएच विश्वकप की तैयारी के लिए महत्वपूर्णः कोच

भारत के पूर्व गोलकीपर और जूनियर पुरुष टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने कहा, ''यह टूर्नामेंट इस साल के अंत में (नवंबर-दिसंबर) होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए हमारी तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें प्रतिस्पर्धी माहौल में शीर्ष स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खेलने का मौका देगा जो इन युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। दो बार ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे श्रीजेश ने कहा कि नतीजों से अधिक ध्यान युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तरीय टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव देने पर टिका होगा।

ऐसा रहेगा टूर्नामेंट का प्रारूप

टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम राउंड रोबिन पूल चरण में एक-दूसरे के खिलाफ एक बार खेलेगी और शीर्ष दो टीम फाइनल में जगह बनाएंगी। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम क्लासीफिकेशन मैच खेलेंगी। श्रीजेश ने कहा कि यह टूर्नामेंट उन्हें अलग-अलग संयोजन आजमाने का मौका देगा।

ये सीख खिलाड़ियों के लिए अमूल्य : श्रीजेश

कोच श्रीजेश ने कहा, ''हमने ऐसी टीम चुनी है जो ऊर्जा और क्षमता का स्वस्थ संतुलन लेकर आती है। यह दौरा हमें अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने, संयोजनों के साथ प्रयोग करने और खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण मैच स्थितियों में जिम्मेदारी लेने का अवसर देगा। ये सीख खिलाड़ियों के लिए अमूल्य होगी क्योंकि हम स्वदेश में जूनियर विश्व कप की ओर बढ़ रहे हैं।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः बिक्रमजीत सिंह, विवेक लाकड़ा। डिफेंडरः आमिर अली, तालेम प्रियोबार्ता, शारदानंद तिवारी, सुनील पीबी, अनमोल एक्का, रोहित, रवनीत सिंह, सुखविंदर। मिडफील्डरः अंकित पाल, मनमीत सिंह, रोसन कुजूर, रोहित कुल्लू, थॉकचोम किंग्सन सिंह, थौनाओजाम इंगलेम्बा लुवांग, एड्रोहित एक्का, जीतपाल। फारवर्डः अराइजीत सिंह हुंडल (कप्तान), गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाह, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह और अजीत यादव।

आरसीबी में अपनी 16,800 करोड़ की हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में डियाजियो

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग की प्रमुख फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18 साल बाद पहली बार खिताब पर कब्जा जमाया है। इस बीच खबर है कि ब्रिटिश स्पिरिट्स कंपनी डियाजियो पीएलसी टीम में अपनी हिस्सेदारी को बेचने के लिए विकल्प की तलाश कर रही है। इसके लिए उसने संभावित सलाहकारों के साथ चर्चा भी शुरू कर दी है। उसके अपनी हिस्सेदारी का मूल्य 2 अरब डॉलर (लगभग 16,800 करोड़ रुपये) लगाने की संभावना है। हालांकि, अभी अंतिम निर्णय लेना बाकी है।

डियाजियो ने क्या की तैयारी?

मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन की स्पिरिट्स कंपनी डियाजियो ने आरसीबी के एक हिस्से या पूरी हिस्सेदारी की संभावित बिक्री सहित विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन करने के लिए संभावित सलाहकारों के साथ परामर्श शुरू कर दिया है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि डियाजियो अपनी भारतीय सहायक कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के माध्यम से इसकी कीमत 16,800 करोड़ रुपये लगा सकती है।

डियाजियो क्यों बेचना चाह रही है हिस्सेदारी

आरसीबी के मालिकाना हक को बेचने की बात ऐसे समय में हो रही है जब भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आईपीएल में तंबाकू और शराब ब्रांडों के प्रचार पर प्रतिबंध लगाने पर जोर दिया है।

श्रीकृष्ण यादव सेवा समिति की वार्षिक आमसभा 22 जून को

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

श्रीकृष्ण यादव सेवा समिति (रजि.) अलवर की वार्षिक आमसभा 22 जून 2025, रविवार को आयोजित की जाएगी। समिति प्रवक्ता योगेश यादव ने बताया कि यह आमसभा समिति कार्यालय, अहीरबास भड़कोल, तहसील मालाखेड़ा में प्रातः 10 बजे शुरू होगी। इस दौरान समिति के आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया जाएगा, वार्षिक स्मारिका का विमोचन होगा तथा आगामी दो वर्षों के लिए समिति के अध्यक्ष के चयन पर विचार-विमर्श किया जाएगा। आमसभा में समिति के कार्यक्षेत्र में आनेवाले 125 गांवों की कार्यकारिणियों के पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य मानी गई है। संरक्षक मंडल ने सभी गणमान्य लोगों से आमसभा में शामिल होने का अनुरोध किया है।

बुटेरी टोल प्लाजा के पास फायरिंग से दहशत, युवक गंभीर घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

बानसूर थाना क्षेत्र में सोमवार को बुटेरी टोल प्लाजा के पास उस समय सनसनी फैल गई, जब बोलेरो पिकअप में सवार कुछ अज्ञात हमलावरों ने एक दुकान पर बैठे युवक पर अचानक गोलियां दाग दीं। फायरिंग में युवक घनश्याम उर्फ़ घन्या गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने युवक को निशाना बनाकर 2 से 3 गोलियां मारीं और मौके से फरार हो गए। गोली लगते ही आसपास मौजूद लोग सहम गए और घायल युवक को तत्काल राजकीय बीडीएम अस्पताल कोटपूतली पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया। घायल के परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ अस्पताल में जुट गई, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही बानसूर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। पुलिस ने हमलावरों की तलाश में आसपास के इलाकों में नाकाबंदी कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हमलावर बोलेरो पिकअप में आए थे और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। हमले की वजह का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस टीम आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है ताकि हमलावरों का सुराग मिल सके। युवक पर फायरिंग की खबर से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। घायल युवक के बयान के बाद हमलावरों की पहचान और हमले की मंशा साफ होने की उम्मीद है। वहीं, पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर जांच की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस सनसनीखेज वारदात ने इलाके में खौफ पैदा कर दिया है और लोग दहशत के साए में जीने को मजबूर हो गए हैं।

हरसौली सीएचसी का औचक निरीक्षण: लेबर रूम की दीवारें खराब, आरसीएचओ ने जताई नाराजगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी (आरसीएचओ) डॉ. हेमंत कुमार डागर ने मंगलवार को कोटकासिम के हरसौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कई खामियां पाईं। निरीक्षण के दौरान डॉ. डागर ने कोल्ड चेन व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने हैंडलर मुकेश कुमार को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए तत्काल स्टेबलाइजर लगाने के निर्देश दिए। लेबर रूम की दीवारों की खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए सीएचसी प्रभारी डॉ. पंकज मलिक को तीन दिन में मरम्मत कार्य पूरा करने का आदेश दिया। हरसौली सीएचसी में केवल दो चिकित्सक होने के बावजूद प्रतिदिन 200 से अधिक मरीजों का उपचार हो रहा है। डॉ. डागर ने इस कार्य के लिए डॉ. पंकज की सराहना की। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य पर्यवेक्षक को टीकाकरण और प्रसव की ड्यू लिस्ट तुरंत एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को सौंपने के निर्देश दिए। डॉ. डागर ने कहा कि जिले के सभी डिलीवरी प्वाइंट्स का व्यक्तिगत निरीक्षण किया जाएगा ताकि गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। उन्होंने जिले के सभी चिकित्सा अधिकारियों की मेहनत की प्रशंसा की और कहा कि सभी मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करेंगे। इस निरीक्षण से स्वास्थ्य केंद्र की कमियों को सुधारने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

तिजारा में भीषण आगजनी: तीन भाइयों के घर जलकर राख, बाइक और नकदी नष्ट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

खैरथल जिले के तिजारा क्षेत्र के हमीरका गांव में जैमन की ढाणी में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे भीषण आग लगने से तीन भाइयों के मकानों को भारी नुकसान पहुंचा। अरशद, रुजदार और सोराव के एक कतार में बने मकान आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गए। इस हादसे में घरेलू सामान, एक बाइक, पशुओं का तूड़ा और 45,000 रुपये नकद जलकर राख हो गए। यह राशि अरशद ने सरकारी योजना के तहत मकान की किश्तों के लिए रखी थी। घटना के समय घर में बच्चे अकेले थे। शौकीन की एक साल की बेटी अनुष्का कच्चे घर में सो रही थी, जिसे ग्रामीणों ने कपड़े लपेटकर बड़ी मुश्किल से आग के बीच से सुरक्षित निकाला। रुजदार तिजारा मार्केट, अरशद गांव के अस्पताल और सोराव मजदूरी के लिए बाहर गए थे। ग्रामीणों ने बाल्टियों से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। तिजारा नगर परिषद के फायर स्टेशन को सूचना दी गई, लेकिन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां देरी से पहुंचीं, तब तक मकान पूरी तरह नष्ट हो चुके थे। पीड़ित परिवार के भतीजे इन्नश ने बताया कि इस आगजनी से उनका सब कुछ खत्म हो गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों के लिए तत्काल सहायता की मांग की है। आग लगने के कारणों की जांच जारी है। प्रशासन से अपेक्षा है कि वह पीड़ितों को राहत और पुनर्वास के लिए त्वरित कदम उठाए।

स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित

एनसीडी रोगियों की जांच, उपचार और डेटा अपडेट पर जोर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि निचले स्तर तक विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन से ही निरामय राजस्थान का सपना साकार होगा। उन्होंने सभी जिलों में 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जांच के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। डॉ. शुभमंगला मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित हैं और इनका बेहतर क्रियान्वयन जरूरी है, ताकि प्रदेशवासियों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें और प्रदेश विभिन्न स्वास्थ्य मानकों पर और बेहतर स्थिति में आ सके। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि गैर संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए मरीजों का समय पर निदान और उपचार जरूरी है। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्तर पर इन कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग की जा रही है। इस क्रम में सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि एनसीडी रोगियों की जांच, उपचार प्रारम्भ करने के साथ ही पोर्टल पर उनका ऑनलाइन डेटा इन्द्राज भी सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, एनसीडी और टीबी मुक्त भारत अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार की जरूरत को रेखांकित किया गया। डॉ. शर्मा ने टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत संचालित गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने नॉट मशीनों के समुचित उपयोग, ड्रग सेंसिटिव टीबी मरीजों के शत-प्रतिशत उपचार और निक्षय पोषण योजना के तहत लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने के कार्य में गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत योजना, मा नेत्र वाउचर योजना, ओरल हेल्थ कार्यक्रम और मिशन लीवर स्माइल कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। साथ ही, 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। वीसी में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु, परियोजना निदेशक एनएचएम संतोष गोयल सहित सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के परियोजना निदेशक उपस्थित थे। जिलों से संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में जुड़े।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरचनाओं का निर्माण कार्य शुरू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पखवाड़े के अंतर्गत ग्राम पंचायत ढुंढारिया के चांदीचाना गांव में जल ग्रहण एवं भू-संरक्षण विभाग बहरोड़ द्वारा तलाई निर्माण का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन हींगवाली माता मंदिर के पास हुआ, जहां विकास एवं कार्यक्रम अधिकारी पंचायत समिति बहरोड़ प्रेम प्रकाश बावता ने पौधारोपण कर अभियान को गति दी। इस अवसर पर उन्होंने पांच पीपल और नीम के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान ग्राम ढुंढारिया में बाबा बणदेव मंदिर के पास अमृत सरोवर जौहड़ निर्माण कार्य का भी श्रीगणेश किया गया। इसके अतिरिक्त पंचायत पौधशाला का निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम में विकास अधिकारी, सहायक अभियंता पंचायत समिति बहरोड़, कनिष्ठ अभियंता जल ग्रहण एवं भू-संरक्षण विभाग, ग्राम पंचायत ढुंढारिया के सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी और ग्रामीणजन मौजूद रहे। वृक्षारोपण और जल संरचनाओं के निर्माण की ये पहलें न केवल जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, बल्कि हरियाली और पारिस्थितिक संतुलन को भी सुदृढ़ करने का कार्य कर रही हैं। अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भू-संरक्षण और जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए सभी को प्रेरित किया जा रहा है, जिससे भविष्य की जल आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को दोहराते हुए सहयोग देने का संकल्प लिया। इस पहल का उद्देश्य ग्राम स्तर पर जल स्रोतों का संरक्षण कर सतत विकास को बढ़ावा देना है।

अंडरपास बनाने की फिर जगी उम्मीद: फाइल फिर खुलेगी, मरीजों को मिलेगी राहत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर सामान्य अस्पताल और महिला अस्पताल को जोड़ने के लिए प्रस्तावित अंडरपास की फाइल एक बार फिर खुलने की उम्मीद जगी है। दोनों अस्पतालों के बीच रोजाना लगभग 450 से अधिक मरीज एक-दूसरे अस्पताल में इलाज के लिए जाते हैं, जिनमें कई गंभीर मरीज भी शामिल होते हैं। रोड क्रॉस करने में आने वाली मुश्किलों के कारण मरीजों को कई बार भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। गंभीर मरीजों के लिए यह देरी जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे में दोनों अस्पतालों को आपस में जोड़ने का सबसे बेहतर विकल्प अंडरपास ही माना जा रहा है। पूर्व में तत्कालीन कलेक्टर जितेंद्र सोनी ने अंडरपास की आवश्यकता को समझते हुए यूआईटी से इसका विस्तृत खाका तैयार करवाया था। निर्माण की योजना भी लगभग तैयार थी, लेकिन कलेक्टर के तबादले के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। बाद में आए कलेक्टर ने 6 करोड़ रुपए की लागत देखकर इस फाइल को बंद कर दिया। लेकिन अब फिर से यह मामला उठने लगा है और प्रशासन की ओर से इस प्रोजेक्ट को धरातल पर लाने की मंशा दिखाई दे रही है। स्वास्थ्य समिति से इस अंडरपास के लिए कुछ राशि जुटाई जाएगी, जबकि बाकी राशि अन्य मदों से एकत्रित की जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, अंडरपास को लेकर जल्द ही मंथन शुरू किया जाएगा और फाइल को फिर से खोला जाएगा। ट्रैफिक लाइट लगाने या एंबुलेंस से मरीजों को भेजने के विकल्पों पर पहले विचार किया गया था, लेकिन वह कारगर नहीं रहे। एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, अंडरपास ही दोनों अस्पतालों को जोड़ने का एकमात्र प्रभावी विकल्प है। अंडरपास निर्माण की राह में कुछ मेडिकल दुकानों के आ जाने की वजह से भी पहले फाइलें बंद हो गई थीं। अब इस अड़चन को भी सुलझाने का प्रयास होगा। यूआईटी से सेवानिवृत्त एक्सईएन प्रमोद शर्मा का कहना है कि जयपुर की तर्ज पर मेडिकल दुकानों को अंडरपास के अंदर ही शिफ्ट किया जा सकता है, जिससे विभाग को आय भी होगी और मरीजों को बेहतर सुविधा भी मिलेगी। यह अंडरपास न केवल मरीजों के लिए राहत लेकर आएगा बल्कि अस्पतालों के बाहर लगने वाले जाम की समस्या को भी काफी हद तक कम करेगा। अस्पतालों के बाहर मरीजों और उनके परिजनों को रोड क्रॉस करने में हो रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा और गंभीर मरीजों की जान बचाने में भी मदद मिलेगी। प्रशासन की इस पहल पर अब सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

श्री कृष्ण यादव भवन का लोकार्पण 13 जून को

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

श्रीनाथपुरम में हाड़ौती अहीर सभा द्वारा नवनिर्मित श्री कृष्ण यादव भवन का लोकार्पण 13 जून को केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर भामाशाह सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें भामाशाहों का सम्मान होगा। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के राष्ट्रीय महासचिव दिनेश यादव, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, जयपुर हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव, यादव महासभा राजस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र यादव, हरसहाय यादव तथा चित्तौड़ जिला प्रमुख गब्बर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। सभा के महासचिव महावीर यादव एवं संयोजक लालचंद लोछब ने बताया कि भवन निर्माण में जिन भामाशाहों ने आर्थिक सहयोग किया, उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इस भवन का निर्माण लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और इसका प्रथम

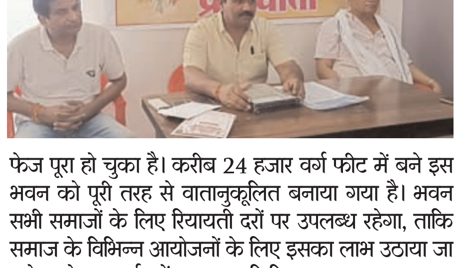

फेज पूरा हो चुका है। करीब 24 हजार वर्ग फीट में बने इस भवन को पूरी तरह से वातानुकूलित बनाया गया है। भवन सभी समाजों के लिए रियायती दरों पर उपलब्ध रहेगा, ताकि समाज के विभिन्न आयोजनों के लिए इसका लाभ उठाया जा सके। प्रेस वार्ता में अध्यक्ष गिरिराज यादव, उपाध्यक्ष कन्हैयालाल अहीर, कोषाध्यक्ष गोकुल यादवेंद्र, संगठन सचिव शिवप्रकाश यादव, युवा अध्यक्ष जगदीश यादव, उपाध्यक्ष युवा प्रेम यादव, जिला अध्यक्ष अनिल पचेरिया, उपाध्यक्ष चेतन यादव, श्याम यादव, दिनेश यादव, रामगोपाल यादव सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वंदे गंगा अभियान के तहत बगडमेव में श्रमदान व वृक्षारोपण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रवीन्द्र ने मंगलवार को रामगढ़ पंचायत समिति के गांव बगडमेव के अग्यारा का दौरा कर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने पंचायतीराज और वाटरशेड विभाग के कर्मचारियों के साथ स्थानीय ग्रामीणों को श्रमदान के लिए प्रेरित किया और श्रमदान में स्वयं भी हिस्सा लिया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने श्रमदान के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने ग्रामीणों और अधिकारियों को क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सालुखे ने बताया कि वंदे गंगा अभियान 20 जून तक चलेगा। इस दौरान तय कार्यक्रमों के अनुसार सामूहिक भागीदारी के साथ विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर इस अभियान को सफल बनाना चाहिए। इस अवसर पर रामगढ़ पंचायत समिति के प्रधान नसरू खान, विकास अधिकारी विजय भाल, वाटरशेड विभाग की सहायक अभियंता सीमा चौधरी सहित विभागीय कार्मिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। श्रमदान और पौधारोपण के जरिए पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों की देखभाल का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने सामूहिक रूप से पौधे लगाने और उनके संरक्षण की शपथ ली। ग्रामीणों ने भी अभियान में पूरे उत्साह से भाग लिया। अभियान के तहत स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों ने जल संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयासों का संकल्प लिया। इस पहल को देखकर यह साफ है कि सरकारी विभागों और ग्रामीण समुदायों के साझा प्रयासों से जल और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा मिल रही है। कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों ने इसे जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया।

पीडब्ल्यूडी 115 करोड़ खर्च कर 92 किमी लंबी सड़कों का करेगा निर्माण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले में सड़क निर्माण का कार्य जोर पकड़ने वाला है। इसके लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने 115 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़कों के टेंडर कर दिए हैं और इसी महीने काम शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। इन सड़कों के निर्माण से कई कस्बों और ग्रामीण इलाकों को सीधा लाभ पहुंचेगा। जहां लोगों की आवाजाही आसान होगी, वहीं वाहनों की रफ्तार भी बढ़ेगी। यह परियोजना अलवर ग्रामीण, कठूमर और रामगढ़ विधानसभा क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। इन इलाकों में सड़कें न सिर्फ जीवन को सुगम बनाएंगी बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार देंगी। लंबे समय से इन सड़कों की मांग चल रही थी और विधानसभा चुनाव में भी सड़कें अहम मुद्दा बनी थीं। जनता ने इसी के आधार पर वोट डाले थे। अब विभाग की ओर से चार प्रमुख सड़कों के अलावा 50 करोड़ की लागत से अन्य सड़कों के भी टेंडर कर दिए गए हैं। पीडब्ल्यूडी के अनुसार ये सड़कें लंबे प्रोजेक्ट की हैं और जल्द ही इन पर काम शुरू होगा। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता भूरी सिंह ने बताया कि बजट घोषणा के तहत इन सड़कों के निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है और अब किसी देरी की गुंजाइश नहीं है। विभाग का मानना है कि इन सड़कों से जिले की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और यात्री व मालवाहन दोनों को फायदा मिलेगा। इन सड़कों में हल्दीना, निठारी, जमालपुर, खेड़ला, रामपुरा, खेड़ली पिचानोत, मोहब्बतपुर, कल्याणपुरा, अलापुर से एनएच 248ए तक 37.5 किमी लंबी सड़क बनाई जाएगी, जिस पर 40 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यह सड़क अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वहीं, कठूमर और रामगढ़ को जोड़ने के लिए हलैना से बड़ौदामेव तक 32 किमी लंबी सड़क का निर्माण भी 40 करोड़ रुपए की लागत से होगा। इसके अलावा रामगढ़-गोविंदगढ़ मार्ग, जिसमें चिड़वाई से बड़ौदामेव वाया जयसिंहपुरा, चौलाईबास सड़क शामिल है, का चौड़ीकरण व नवीनीकरण किया जाएगा। यह सड़क 8 किमी लंबी है और इस पर 14 करोड़ रुपए खर्च होंगे। जालुकी चौराहे से सीकरी वाया गोविंदगढ़ सड़क का चौड़ीकरण भी प्रस्तावित है। यह 14 किमी लंबा मार्ग होगा, जिस पर 21 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी। विभाग ने आश्वासन दिया है कि काम समय पर पूरा किया जाएगा ताकि लोगों को जल्द से जल्द इन सड़कों की सुविधा मिल सके। इन परियोजनाओं से अलवर जिले की तस्वीर बदलने की उम्मीद की जा रही है। लंबे समय से जर्जर सड़कों से परेशान लोगों को अब राहत मिलने की संभावना बन रही है। पीडब्ल्यूडी की इस पहल से न सिर्फ कनेक्टिविटी बढ़ेगी, बल्कि इलाके के विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

राजकीय बी.डी.एम. जिला चिकित्सालय में चला स्वच्छता अभियान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल के आदेश एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. चैतन्य रावत के निर्देशन में राजकीय बी.डी.एम. जिला चिकित्सालय कोटपूतली में सोमवार को वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पखवाड़ा के तहत साफ-सफाई का विशेष श्रमदान कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अभियान के तहत चिकित्सालय के पार्क, दोनों तरफ के रास्ते और छत की सफाई की गई। श्रमदान में चिकित्सालय के चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, लैब स्टाफ, एक्स-रे स्टाफ, हैल्पर, सफाईकर्मी, एमएनडीवाई स्टाफ, फार्मासिस्ट एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर सहित सभी ने भाग लिया। परिसर को स्वच्छ बनाने के लिए सभी ने मिलकर श्रमदान किया और अस्पताल की साफ-सफाई में सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं नर्सिंग अधीक्षक ने कहा कि स्वच्छता का यह अभियान प्रत्येक माह एक बार नियमित रूप से किया जाएगा, ताकि अस्पताल में स्वच्छता बनी रहे और संक्रमण का खतरा न रहे। इसके साथ ही मरीजों एवं उनके परिजनों को भी साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वच्छता न केवल मरीजों की सेहत के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि चिकित्सालय का सौंदर्य भी बढ़ाती है। इस पहल से मरीजों को अधिक सुरक्षित वातावरण मिलेगा और अस्पताल की छवि को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। चिकित्सालय परिसर में साफ-सफाई के इस अभियान से न केवल अस्पताल के कर्मचारियों ने बल्कि वहां आने वाले मरीजों ने भी स्वच्छता के महत्व को समझा। कार्यक्रम में सभी ने अपने स्तर पर सफाई में योगदान देकर स्वच्छता के संदेश को और मजबूत किया। चिकित्सालय प्रबंधन ने इस मौके पर सभी कर्मचारियों का आभार जताया और आगे भी इसी उत्साह से स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

कोटकासिम-बीबीरानी में कृषि विभाग की सख्त कार्रवाई: खाद-बीज दुकानों का औचक निरीक्षण, सैंपल जांच के लिए भेजे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

खैरथल जिले के बीबीरानी और कोटकासिम में मंगलवार को कृषि विभाग ने खाद-बीज दुकानों पर आकस्मिक छापेमारी की। संयुक्त निदेशक विजय सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कई दुकानों का निरीक्षण किया, जिसमें अनियमितताएं पाए जाने पर सख्त कदम उठाए गए। इस कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मच गया।

कोटकासिम में कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान कोटकासिम में भारत बीज भंडार, अग्रवाल बीज भंडार और न्यू किसान बीज भंडार के मालिक मौके पर मौजूद नहीं मिले। कई दुकानदार दुकानें खुली छोड़कर फरार हो गए। संयुक्त निदेशक विजय सिंह ने इन दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बीबीरानी में सैंपलिंग

बीबीरानी के मेसर्स महेश बीज भंडार से बाजरा बीज के दो नमूने लिए गए, जिन्हें गुणवत्ता जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। दुकान पर बिना अनुमति बेचे जा रहे बीजों की बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई। निरीक्षण टीम में विजय

सिंह के साथ सहायक निदेशक पवन यादव और सुभाष चंद शामिल थे। विभाग ने सभी दुकानदारों को केवल उच्च गुणवत्ता वाले बीज और खाद बेचने के निर्देश दिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बीज नियंत्रण आदेश 1983 और बीज अधिनियम 1966 के तहत कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

किसानों के हित में कदम

जिला कृषि अधिकारी ने कहा कि यह कार्रवाई किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज और खाद उपलब्ध कराने के लिए की गई है। ऐसी छापेमारी भविष्य में भी जारी रहेगी।

मोदी सरकार में बदली रक्षा क्षेत्र की तस्वीर, भारत बना वैश्विक रक्षा निर्यातकः राजनाथ सिंह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसी और दूरदर्शी नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में भारत का रक्षा क्षेत्र एक बड़ी परिवर्तन से गुजरा है। अब भारत एक आयात-आधारित देश से बदलकर एक विश्वसनीय वैश्विक निर्यातक बन गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह 11 साल भारत की ताकत, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में उठाए गए मजबूत कदमों का प्रतीक हैं। राजनाथ सिंह ने बताया कि 2014-15 में जहां रक्षा निर्यात सिर्फ 1,940 करोड़ रुपये था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 23,622 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' जैसे अभियानों की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि इस दौरान भारत ने अपने पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत, मल्टी-रोल कॉम्बैट हेलिकॉप्टर एलसीएच प्रचंड, तेजस फाइटर जेट, ब्रह्मोस मिसाइल जैसे महत्वपूर्ण हथियार सिस्टम खुद बनाए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, 'आज भारत 100 से ज्यादा देशों को रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है। हमारे रक्षा कॉरिडोर में भारी निवेश हो रहा है और सेना का आधुनिकीकरण तेजी से हो रहा है।' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया जिसमें ऑपरेशन सिंदूर, विभिन्न सैन्य अभ्यास, पूर्वोत्तर में उग्रवाद में कमी और सशस्त्र बलों में नारी शक्ति को दिखाया गया है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'रक्षा शक्ति के 11 वर्ष के दौरान, भारत की रक्षा क्षमताएं पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हुई हैं। हमारे पास अब स्वदेशी हथियार, आधुनिक सेनाएं, सुरक्षित सीमाएं और दुनिया का विश्वास है। यह आत्मनिर्भर भारत की ओर एक गर्वित कदम है।'

आगे या पीछे, कोई भी कदम उठाने को तैयार, अहंकार की कोई बात नहींः राउत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत से जब मनसे से संभावित गठबंधन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि शिवसेना यूबीटी आगे या पीछे, कोई भी कदम उठाने को तैयार है और राजनीतिक अहंकार जैसी कोई बात नहीं है। राउत ने कहा कि मराठी मानुष की भलाई के लिए जो भी संभव होगा, वे करने के लिए तैयार हैं। शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे के बीच गठबंधन को लेकर बीते कई दिनों से चर्चा चल रही है और दोनों तरफ से इसे लेकर सकारात्मक बयानबाजी भी सामने आई है। अब शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'हम आगे या पीछे, कोई भी कदम उठाने के लिए तैयार हैं और कोई राजनीतिक अहंकार की बात नहीं है।' संजय राउत का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब मनसे ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि अगर शिवसेना यूबीटी मनसे के साथ गठबंधन करना चाहती है तो उसके लिए शिवसेना यूबीटी को पहल करनी होगी। बीते दिनों राज ठाकरे ने एक पॉडकास्ट के दौरान शिवसेना यूबीटी के साथ संभावित गठबंधन को लेकर बयान दिया था। उसके बाद शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी गठबंधन को लेकर सकारात्मक बयान दिए, जिससे दोनों पार्टियों में गठबंधन की चर्चा छिड़ गई थी। राज ठाकरे ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा कि मराठी मानुष के हितों के लिए एकजुट होना मुश्किल बात नहीं है। उद्धव ठाकरे ने भी कहा है कि वे मतभेद भुलाकर महाराष्ट्र के हितों के लिए साथ काम करने को तैयार हैं। शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने अपने बयान में कहा कि मुंबई, मराठी लोगों और महाराष्ट्र के लिए साफ दिल और दिमाग से काम करने की इच्छा रखने वालों के साथ हम गठबंधन के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि अभी दोनों पार्टियों की तरफ से महज बयानबाजी हुई है और उससे आगे बात नहीं बढ़ी है।

शरद पवार बोले- कभी नहीं सोचा था पार्टी में दरार आएगी, जयंत पाटिल ने प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ने के संकेत दिए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के स्थापना दिवस समारोह में शरद पवार का दर्द सभी के सामने आ गया। उन्होंने कहा कि कभी नहीं सोचा था कि एनसीपी में दरार आ जाएगी। इस बीच एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने पद छोड़ने के संकेत दे दिए हैं। उन्होंने नए चेहरों को कमान सौंपने की इच्छा जताई है। शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि 26 साल पहले बनी उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन होगा। उन्होंने चुनौतियों के बावजूद इसे आगे बढ़ाने के लिए अपने संगठन के कार्यकर्ताओं की सराहना की। एनसीपी के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, '...पार्टी को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आप निराश हुए बिना पार्टी को आगे बढ़ाते रहे। पार्टी में विभाजन हुआ। हमने कभी नहीं सोचा था कि पार्टी में विभाजन होगा, लेकिन ऐसा हुआ।' शरद पवार ने कहा, 'कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ चले गए और यह विभाजन बढ़ गया। मैं आज इसके बारे में बात नहीं करना चाहता। जो लोग पार्टी के प्रति वफादार रहे, वे हमारी पार्टी की विचारधारा के कारण थे।' उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में एक अलग तस्वीर सामने आएगी। जयंत पाटिल ने मंगलवार को पार्टी प्रमुख शरद पवार की मौजूदगी में पद छोड़ने के संकेत दिए। इस पर कार्यकर्ता भावुक हो गए और उनसे पद पर बने रहने का आग्रह किया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 26वें स्थापना दिवस पर पुणे के बालगंधर्व सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में पाटिल ने कहा कि पार्टी के लिए नए चेहरों को मौका देना महत्वपूर्ण है। पाटिल ने कहा, 'पवार साहब ने मुझे बहुत सारे अवसर दिए। मुझे सात साल के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन अब पार्टी के लिए नए चेहरों को मौका देना महत्वपूर्ण है। यह पार्टी पवार साहब की है और इसलिए उन्हें उचित निर्णय लेना चाहिए। हम सभी को आगे एक लंबा सफर तय करना है। मैं पवार साहब और सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं। शरद पवार की ओर बनाई गई एनसीपी जुलाई 2023 में दो टुकड़ों में बंट गई थी और उनके भतीजे अजित पवार तत्कालीन शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार में शामिल हो गए थे। पार्टी का नाम और उसका घड़ी का चिह्न भी अजित पवार गुट को दे दिया गया था। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री के नेतृत्व वाले गुट को एनसीपी (शरदचंद्र पवार) नाम दिया गया था।

जहां भाजपा की सरकार वहां गरीब का कल्याण, मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर बोले सीएम योगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र की मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरा होने के मौके पर उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि जहां भाजपा की सरकार है वहां गरीब का कल्याण है। उन्होंने इन 11 वर्षों के कार्यकाल को विकसित भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का स्वर्णिम काल करार दिया है। कहा कि इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को न केवल वैश्विक पहचान दी है, बल्कि स्वयं को तपाकर और खपाकर 140 करोड़ भारतवासियों के लिए एक विश्वास का प्रतीक बनाया है। यह कार्यकाल नए भारत को एक विकसित, आत्मनिर्भर, स्वर्णिम कालखंड के रूप में प्रस्तुत करता है। इसके लिए हम प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री को बधाई देते हैं। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में योगी ने कहा कि सुशासन अब संस्कृति के रूप में देखने को मिल रहा है। 11 वर्ष का यह कार्यकाल सेवा को संकल्प के रूप में, सुशासन को संस्कृति के रूप में और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। आजादी के 65 वर्षों में कांग्रेस नेतृत्व और अन्य अस्थिर सरकारों के कारण आमजन का विश्वास टूटा था, विश्वास खंडित हुआ था, वैश्विक मंच पर भारत की छवि तार-तार हुई थी। पिछले 11 वर्षों के अंदर प्रधानमंत्री मोदी के रूप में भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टिकरण की राजनीति से मुक्त, एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने वाला एक ऐसा नेतृत्व मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के 11 साल ऐसे समय में पूरे हो रहे हैं जब पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति को पाकिस्तान में परखा और दुनिया ने भरोसे के साथ उस ताकत को देखा जो अभी आपरेशन सिंदूर के माध्यम से हम सबके सामने है। केंद्र सरकार सज्जनों के साथ शांति से विकास की बात करती है लेकिन कोई हम पर युद्ध थोपेगा, हमारी सुरक्षा पर सेंध लगाएगा, आतंकवाद को प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा तो उसका जवाब सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर ही होंगे। उन्होंने धारा 370 को समाप्त किए जाने का भी जिक्र करते हुए कहा कि भारत की अखंडता को कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक भारत श्रेष्ठ भारत के नए माडल के रूप में प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के पंच प्रण व 11 संकल्पों का भी जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2027 में भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद ही किसान राजनीतिक एजेंडे में आया है। पहली बार गरीब शासन की योजना का हिस्सा बन पाया है। अब योजनाएं किसी तुष्टिकरण का शिकार नहीं होतीं, बल्कि बिना भेदभाव समाज के प्रत्येक तबके को उसकी संतुष्टीकरण का आधार देने वाली होती हैं। उन्होंने कहा कि आस्था और अर्थव्यवस्था का बेहतर समन्वय हो सकता है, इसे सभी ने महाकुंभ के माध्यम से देखा है। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और अभियान के संयोजक मानवेंद्र सिंह मौजूद थे।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर लगी 11 वर्ष के कार्यकाल पर प्रदर्शनी

मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मोदी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसमें 65 वर्ष बनाम 11 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को दिखाया गया है। उन्होंने 11 वर्षों में चलाई गई विभिन्न योजनाओं और उनकी प्रगति के बारे में जानकारी भी ली। प्रदर्शनी में आपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया, जिसे मुख्यमंत्री ने सराहा।

अब हम आतंकवाद के साथ और नहीं जीएंगे, हमला हुआ तो फिर जवाब देंगेः जयशंकर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा ब्रूसेल्स

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के करीब तीन हफ्ते बाद भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है और कहा है कि अगर फिर से आतंकी हमला हुआ तो भारत फिर से करारा जवाब देने में बिल्कुल नहीं हिचकेगा। जयशंकर इन दिनों ब्रूसेल्स के दौरे पर हैं। वहां एक इंटरव्यू के दौरान जयशंकर ने कहा कि 'अगर आतंकी ठिकाने पाकिस्तान के भीतर मौजूद हैं तो हम पाकिस्तान में भीतर जाकर ही हमला करेंगे।' भारत सरकार की तरफ से लगातार कहा जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और अगर पाकिस्तान की तरफ से फिर से आतंकी हमला हुआ तो भारत फिर से सैन्य कार्रवाई से हिचकेगा नहीं। विदेश मंत्री ने भी सरकार के इसी स्टैंड को दोहराया। विदेश मंत्री ने कहा कि 'आतंकवाद इस देश (पाकिस्तान) की राष्ट्रीय नीति का हिस्सा है। यही समस्या है।' बीती अप्रैल में भारत के जम्मू कश्मीर में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटकों की धर्म पूछकर हत्या कर दी गई थी। भारत ने इसका आरोप पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन पर लगाया। इसके बाद मई में भारत ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने भारत पर हमले की कोशिश की। भारत ने 10 मई को बड़ा हमला कर पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह कर दिए। जिसके बाद पाकिस्तान ने लड़ाई रोकने की अपील की, जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया। पाकिस्तान ने भारत के लड़ाकू विमान गिराने का दावा किया था। जब इसे लेकर विदेश मंत्री से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 'वह इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन जल्द ही संबंधित प्राधिकरण द्वारा सही समय आने पर इस पर पूरी जानकारी दी जाएगी।' जयशंकर ने कहा कि 'भारत के हमले में पाकिस्तान को काफी नुकसान उठाना पड़ा और भारत के लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य उपकरणों ने बेहद सटीकता से हमले किए और पाकिस्तान के तबाह एयरबेस की तस्वीरें गूगल पर मौजूद हैं।' जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान लगातार आतंकियों को पनाह और प्रशिक्षण देता आ रहा है और हजारों आतंकी दक्षिणी सीमा पर मौजूद हैं। जयशंकर ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि 'हम आतंकवाद के साथ अब और नहीं जीएंगे। हमारा संदेश साफ है कि अगर आगे भी अप्रैल जैसे हमले जारी रहे तो हम जवाबी कार्रवाई करेंगे और यह कार्रवाई आतंकी संगठनों और आतंकी नेतृत्व के खिलाफ होगी।'

धर्म नहीं, ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए पिछड़ापन ही एकमात्र मानदंडः ममता बनर्जी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को ओबीसी दर्ज तय करने को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने राज्य विधानसभा में कहा कि पिछड़ापन ही लोगों के ओबीसी दर्जे को तय करने का एकमात्र मानदंड है, धर्म नहीं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ लोग गलत जानकारी फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओबीसी श्रेणी में किसी व्यक्ति को शामिल करने का धर्म से कोई संबंध नहीं है। ममता बनर्जी ने राज्य में ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए पिछड़ापन को एकमात्र मानदंड बताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने एक आयोग का गठन किया है, जो ओबीसी में जोड़ने के लिए 50 नए उपवर्गों का सर्वे कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि ओबीसी-ए के तहत 49 उपवर्गों और ओबीसी-बी के तहत 91 उपवर्गों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि अधिक पिछड़े वर्ग के लोगों को ओबीसी-ए में रखा गया है, जबकि कम पिछड़े लोग ओबीसी-बी में शामिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग की वार्षिक रिपोर्ट सदन में पेश की। जिसके बाद उन्होंने सदन को संबोधित करते हुए बताया कि लोगों को ओबीसी में शामिल करने का फैसला क्षेत्रीय सर्वे और आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया गया है।

जल्द हो लोकसभा डिप्टी स्पीकर का चुनावः कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पीएम मोदी से की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। वे राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। उन्होंने पीएम मोदी से जल्द लोकसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव कराने का आग्रह किया है। खरगे ने कहा कि लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद पिछले दो कार्यकालों से खाली है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। यह संविधान के नियमों का भी उल्लंघन है। आखिरी बार 16वीं लोकसभा में एआईएडीएमके के नेता एम थंबीदुरई को लोकसभा का डिप्टी स्पीकर चुना गया था। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पहली से सोलहवीं लोकसभा तक हर सदन में एक उपाध्यक्ष रहा है। आमतौर पर यह एक स्थापित परंपरा रही है कि डिप्टी स्पीकर की नियुक्ति मुख्य विपक्षी दल के सदस्यों में से की जाए।' उन्होंने पीएम को लिखे पत्र के साथ यह बात कही। उन्होंने आगे लिखा, 'सत्रहवीं लोकसभा के दौरान कोई भी उपाध्यक्ष नहीं चुना गया था, और यह चिंताजनक चलन वर्तमान अठारहवीं लोकसभा में भी जारी है।' मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी चिट्ठी में लिखा है, 'भारत के संविधान का अनुच्छेद 93 लोकसभा के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर दोनों के चुनाव को अनिवार्य बनाता है। संवैधानिक रूप से, डिप्टी स्पीकर,स्पीकर के बाद सदन का दूसरा सबसे बड़ा पीठासीन अधिकारी होता है।' उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 93 में कहा गया है कि सदन 'जितनी जल्दी हो सके' किसी एक को डिप्टी स्पीकर चुनेगा। खरगे के अनुसार, 'परंपरागत रूप से उपाध्यक्ष का चुनाव नवगठित लोकसभा के दूसरे या तीसरे सत्र में किया जाता रहा है। इस चुनाव की प्रक्रिया स्पीकर की प्रक्रिया को दर्शाती है और एकमात्र अंतर यह है कि लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के नियम 8(1) के अनुसार, डिप्टी स्पीकर के चुनाव की तारीख स्पीकर द्वारा तय की जाती है।' बता दें कि लोकसभा का डिप्टी स्पीकर एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद है। डिप्टी स्पीकर का मुख्य काम लोकसभा स्पीकर की अनुपस्थिति में लोकसभा की कार्यवाही का संचालन करना है। वे सदन को सुचारू रूप से चलाने का काम करते हैं। जब डिप्टी स्पीकर सदन की अध्यक्षता करते हैं, तो उनके पास स्पीकर के समान अधिकार होते हैं।

बहुत गरीब हो चुका है पाकिस्तान, वर्ल्ड बैंक ने दिखाई कंगाली की भयानक तस्वीर, कर्ज के पैसे खा रही फौज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

वर्ल्ड बैंक के नए आंकड़े भारत और पाकिस्तान की अलग-अलग हालात बयां कर रहे हैं। भारत में जहां गरीबी तेजी से कम हुई है, वहीं पाकिस्तान में यह भयानक रूप से बढ़ी है। 2012 से 2022 के बीच भारत में अत्यधिक गरीबी 27.1% से घटकर 5.3% रह गई। इस दौरान 26.9 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल आए। इसके उलट, पाकिस्तान में 2017 से 2021 के बीच अत्यधिक गरीबी 4.9% से बढ़कर 16.5% पहुंच गई। भारतीय अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। दूसरी तरफ पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को आईएमएफ से बार-बार बेलआउट पैकेज लेना पड़ रहा है। वर्ल्ड बैंक के आंकड़े बताते हैं कि एक आम पाकिस्तानी आज कितना कंगाल हो चुका है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट ने गरीबी मापने के लिए एक नया पैमाना तय किया है। अब प्रतिदिन 3 डॉलर प्रति व्यक्ति से कम आय वाले लोगों को 'अत्यधिक गरीब' माना जाएगा। इस नए पैमाने के बावजूद, भारत में गरीबी कम हुई है। 2012 से 2022 के बीच भारत में अत्यधिक गरीबी 27.1% से घटकर 5.3% हो गई। 2022-23 में भारत में 7.52 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में जी रहे थे। जबकि 2011-12 में यह आंकड़ा 34.44 करोड़ था। इसका मतलब है कि 11 सालों में 26.9 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले। यह पाकिस्तान की पूरी आबादी से भी ज्यादा है। पाकिस्तान में स्थिति बिल्कुल उलट है। 2017 से 2021 के बीच अत्यधिक गरीबी 4.9% से बढ़कर 16.5% हो गई। जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान के पुराने आंकड़ों को लें तो स्थिति और भी खराब हो सकती है। पाकिस्तान में प्रतिदिन 4.2 डॉलर प्रति व्यक्ति से कम आय वाले लोगों की संख्या 2017 में 39.8% थी, जो 2021 में बढ़कर 44.7% से ज्यादा हो गई।

धनखड़ ने महाभियोग प्रस्ताव पर क्यों नहीं की कार्रवाई?: सिब्बल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मामले में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने महाभियोग प्रस्ताव लाने के नोटिस पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? ऐसा लगता है कि सरकार न्यायाधीश को बचाने की कोशिश कर रही है। जस्टिस की टिप्पणी पूरी तरह से सांप्रदायिक थी। सिब्बल ने कहा कि पूरी घटना में भेदभाव की बू आती है, क्योंकि एक ओर तो राज्यसभा के महासचिव ने भारत के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा कि वे यादव के खिलाफ आंतरिक जांच न करें, क्योंकि उनके खिलाफ उच्च सदन में एक याचिका लंबित है। मगर न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के मामले में ऐसा नहीं किया गया। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। जब संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति छह महीने में संवैधानिक दायित्वों को पूरा नहीं करता है तो सवाल उठना लाजिमी है। कपिल सिब्बल ने कहा कि 13 दिसंबर 2024 को हमने राज्यसभा के सभापति को महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस दिया था। इस पर 55 सांसदों के हस्ताक्षर थे, छह महीने बीत गए हैं, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया है। मैं संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों से पूछना चाहता हूं कि उनकी जिम्मेदारी सिर्फ यह सत्यापित करना है कि हस्ताक्षर हैं या नहीं, क्या इसमें छह महीने लगने चाहिए? एक और सवाल है कि क्या यह सरकार शेखर यादव को बचाने की कोशिश कर रही है? उन्होंने कहा कि विहिप के निर्देश पर यादव ने उच्च न्यायालय परिसर में भाषण दिया था और फिर मामला उच्चतम न्यायालय में आया जिसने कार्रवाई की। यादव से दिल्ली में पूछताछ की गई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से भी रिपोर्ट मांगी गई। मुझे तो यह तक सुनने में आया है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने नकारात्मक रिपोर्ट दी थी और इस बीच 13 फरवरी 2025 को अध्यक्ष ने कहा कि इस मामले को संवैधानिक तरीके से देखा जाना चाहिए और संसद इसे आगे बढ़ा सकती है। सिब्बल ने कहा कि राज्यसभा सचिवालय ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र भेजकर कोई कार्रवाई न करने को कहा है और कहा गया है कि इस मामले पर कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस है और सर्वोच्च न्यायालय को यादव के खिलाफ अपनी आंतरिक प्रक्रिया रोकनी चाहिए। सिब्बल ने कहा कि मुझे समझ में नहीं आ रहा कि ऐसा किस आधार पर हुआ? क्या चेयरमैन को सीजेआई को ऐसा पत्र लिखना चाहिए? आंतरिक प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की अपनी है, इसका महाभियोग प्रस्ताव से कोई संबंध नहीं है। अभी तक महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार भी नहीं किया गया है, छह महीने हो गए हैं और केवल हस्ताक्षरों का सत्यापन किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा